04 - मध्यप्रदेश में कांग्रेस हारी नहीं, कांग्रेस लड़ी ही नहीं

05 - हल्दीघाटी का योद्धा रामशाह तंवर

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 18 जून, 2024

06- अवैध कब्जाधारियों पर प्रशासन का शिकंजा

07- केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर 18 जून को धरमपुरी...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 241, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अग्निपथ योजना पर पुनर्विचार और सुधार का यही मौका है

ले.जन.एच.एस.पनाग (रि)

पूर्व चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल मनोज नरवणे के अनुसार, नरेंद्र मोदी की सरकार ने सैनिकों के लिए छोटी अवधि की सेवा 'अग्निपथ' योजना लागू की वह थल सेना के लिए एक चौंकाने वाला फैसला था, तो सेना के बाकी दो अंगों के लिए 'बादल फटने' जैसी घटना थी। बहरहाल, वर्तमान सीओएएस जनरल मनोज पाण्डेय का कहना है कि इस योजना को 'जरूरी विचार-विमर्श' के बाद ही जून 2022 में लागू किया गया। दो साल बाद, 9 जून को जब भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार ने सत्ता संभाली तब यह राजनीतिक विवाद का मुद्दा बन गया है। लोस चुनाव में प्रतिकूल नतीजे की आशंका में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 28 मार्च को कहा था कि सरकार इस योजना की समीक्षा के लिए तैयार है।

सेना में अल्पकालिक रोजगार की योजना के पीछे प्रमुख कारण 2014 में 'वन रैंक, वन पेंशन' (ओआरओपी) व्यवस्था को लागू किए जाने के बाद बढ़ता पेंशन बिल था। 'ओआरओपी' के तहत, एक ही रैंक और समान सेवा अवधि वाले सैनिकों को समान पेंशन की व्यवस्था की गई, चाहे वे जिस तारीख पर क्यों न रिटायर होते हों। सरकार अग्निपथ योजना को उचित ठहराने के लिए जिन दूसरे लाभों (औसत आयु को 32 साल से घटाकर 26 साल करना, युवाओं की राष्ट्रवादी भावनाओं की संतुष्टि, समाज में अनुशासन की बहाली, सरकारी और निजी क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित कर्मी मिल जाएंगे, और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे) का जिक्र कर रही है वे नतीजे और राजनीतिक जोड़-तोड़ के फल होंगे।

सरकार के लिए तीन विकल्प हैं। पहला यह कि अग्निपथ योजना को रद्द करे और जून 2022 से पहले वाली स्थिति बहाल करे। इसका लाभ यह होगा कि करियर के मामले में सेना 'सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस' (सीएपीएफ) के मुक़ाबले बेहतर विकल्प बनी रहेगी। इसका नुकसान यह है कि रक्षा बजट को बढ़ते पेंशन बिल के मद्देनजर बढ़ाना पड़ेगा। फिलहाल यह पूंजीगत बजटिंग के बराबर है, जो सेना में बदलाव लाने के लिए पर्याप्त नहीं है। पिछले 10 साल से रक्षा बजट जीडीपी का 2 फीसदी रहता आया है, इसके विपरीत अब इसे कुल जीडीपी का 3 प्रतिशत किया जाना, इस मसले का समाधान कर सकता है। दूसरा विकल्प पहले विकल्प का ही एक रूप है। यहां वर्तमान व्यवस्था विशेष अंशदान वाली पेंशन योजना के साथ कायम रह सकती है जिसमें सरकार अपना अंशदान बढ़ा सकती है। विकलांगता, मौत, युद्ध में मारे जाने पर दिए जाने वाले लाभों से संबंधित वर्तमान व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। इस नीति के चलते सेना करियर के मामले में 'सीएपीएफ' के बराबर का विकल्प बनी रहेगी। तीसरा विकल्प यह है कि अग्निपथ योजना की समीक्षा सैनिकों और सेना की आकांक्षाओं को पूरा करने की दृष्टि से की जाए। लेकिन इसे जो भी रूप दिया जाए, यह सेना को नहीं बल्कि 'सीएपीएफ' को ही कॅरियर के लिहाज से बेहतर विकल्प बना देगी।

छोटी अवधि वाली सेवा योजना की सफलता तीन मूलभूत बातों पर निर्भर करती है। पहली यह कि यह सेना के कार्रवाई संबंधी कौशल को गलत तरीके से प्रभावित न करे। दूसरे, यह सैनिकों के लिए सेवाकाल में भी और सेवानिवृत्ति के बाद भी वित्तीय रूप से आकर्षक हो। यह एक जनकल्याणकारी सत्तातंत्र में एक शोषणकारी योजना न हो।

अपने वर्तमान स्वरूप में अग्निपथ योजना इन तीनों कसौटियों पर खरी नहीं उतरती। अग्निपथ एक ऐसा स्वतंत्र सुधार है, जो सेनाओं में नियोजित बदलाव से जुड़ा हुआ नहीं है। सेना में 2020 से नियमित सैनिकों की कोई भर्ती नहीं की गई है जबकि हर साल 50 से 60 हजार के बीच सैन्यकर्मी रिटायर होते हैं। इस कारण सेनाओं की ऑपरेशन कुशलता पर काफी बुरा असर पड़ा है। जनरल नरवणे के संस्मरण 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' में अग्निवीर पर अध्याय का शीर्षक है– 'अंडरसोल्जर्स', जो उनकी असमानता को दर्शाता है। पेंशन की व्यवस्था न करना तो समझ में आ सकता है लेकिन असमान वेतन; डीए, मिलिटरी सर्विस पे से वंचित करना; और विकलांगता/मौत और युद्ध में मारे जाने पर मिलने वाले लाभों में असमानता के पीछे कोई तार्किकता नहीं नजर आती है। वह भी तब जबकि अग्निवीरों को दूसरे सैनिकों की तुलना में समान तरह के खतरों/असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। अपने सेवाकाल में अग्निवीरों को सभी लिहाज से नियमित सैनिकों के बराबर सम्मान दिया जाना चाहिए। ऐसा नहीं हुआ तो उनके मनोबल को गंभीर धक्का लगेगा और उनकी यूनिट की युद्ध क्षमता में कमी आएगी। इस योजना में सुविचारित विशेष अंशदान वाली पेंशन योजना भी शामिल की जानी चाहिए और छोटी सेवा अवधि के मद्देनजर सरकार की ओर से अंशदान में वृद्धि की जानी चाहिए। सेना का समूह बीमा में अंशदान वैसी ही होना चाहिए जैसा नियमित सैनिकों के मामले में होता है।

प्रशिक्षण अवधि को मिलाकर चार साल की सेवा अवधि इतनी छोटी है कि इसमें उपयुक्त एकजुटता नहीं हासिल की जा सकती, प्रशिक्षित मानवशक्ति का प्रभावी उपयोग नहीं किया जा सकता और सैनिकों को यथेष्ट वित्तीय लाभ नहीं दिए जा सकते हैं। मेरे विचार से, प्रशिक्षण अवधि को छोड़ पांच साल की सेवा अवधि के साथ उसे पांच साल और बढ़ाने का स्वैच्छिक विकल्प संगठन की जरूरतों को पूरा करेगा। इसलिए ग्रेच्यूटी और पूर्व सैनिक का दर्जा (जो पांच साल सेवा देने वालों या रिटायर होने वालों को दिया जाता है) दिए जाने पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

सेवा मुक्त अग्निवीरों के लिए न्यूनतम 25 फीसदी आरक्षण तय किया जाए। आदर्श स्थिति तो यह होगी कि सबको सेना में शामिल कर लिया जाए। सेवा मुक्त अग्निवीरों को नौकरी देने के लिए निजी क्षेत्र को सकारात्मक कार्रवाई करने का आदेश देने वाला कानून बनाया जाए। पुनः रोजगार देने के मामले में सभी सेवा मुक्त अग्निवीरों को नियमित सैनिकों की तरह पूर्व सैनिक का दर्जा दिया जाए।

अग्निवीर' नाम और उनका अलग बिल्ला सैनिकों के बीच अंतर पैदा करता है। इसे खत्म किया जाना चाहिए। पेंशन बिल में कमी आने में 15-20 साल लगेंगे। अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 20 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी और तब जीडीपी के 2-3 फीसदी के बराबर के रक्षा बजट का आकार करीब 400/600 अरब डॉलर के बराबर हो जाएगा।

अगर अल्पकालिक सेवा की योजना को जारी रखने का ही फैसला किया जाता है तो मेरा सुझाव यह होगा कि इसकी सेवा अवधि पांच साल की जाए और इसके साथ यह विकल्प हो कि स्वेच्छा से पांच साल और बढ़ाया जा सके। बेहतर यह होगा कि सरकार एक अधिकार संपन्न कमिटी/आयोग का गठन करे जिसमें संबद्ध पक्षों और विशेषज्ञों का प्रतिनिधित्व हो।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बंगाल में बड़ा रेल हादसा

15 की मौत

- दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस से टकराई मालगाड़ी, 60 घायल
- रेलवे ने कहा-गुड्स ट्रेन के ड्राइवर ने रेड सिग्नल की अनदेखी की

दार्जिलिंग (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार सुबह 8.55 बजे एक मालगाड़ी ट्रेन ने कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से टक्कर मार दी। न्यूज एजेंसी ने हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 के घायल होने की जानकारी दी है। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और सीएमडी जय वर्मा ने 5 लोगों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, ईस्टर्न रेलवे के कौशिक मित्रा ने नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के हवाले से बताया कि 2 लोको पायलट और एक गार्ड समेत 8 लोगों की मौत हुई है। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन के मुताबिक, मालगाड़ी

के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है। आर्मी और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू का काम पूरा कर लिया है। रेल रूट के रेस्टोरेशन का काम शुरू हो चुका है। कौशिक मित्रा ने बताया कि कंचनजंगा

एक्सप्रेस ट्रेन के आखिरी में दो पार्सल और एक स्लीपर कोच लगे हुए थे। इसमें कोई पैसेंजर नहीं था। ट्रेन के 5 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। 12.40 बजे एक स्पेशल ट्रेन सियालदह के लिए रवाना हो चुकी है। ट्रेन में अधिकतर यात्री मालदा और बोलपुर के हैं। सिंगल लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई है। कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) 16 जून को सुबह 8.15 बजे अगरतला से रवाना हुई थी। इसे 17 जून को शाम 7.20 बजे सियालदह पहुंचना था। हादसा न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के करीब रंगापानी में हुआ। ट्रेन रेड सिग्नल की वजह से यहां रुइधासा में रुकी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आ रही मालगाड़ी ने टक्कर मार दी।

भारत के पड़ोस में सैन्य अड्डे बनाने की तैयारी में जुटा चीन

निशाने पर परमाणु सबमरीन, बड़ा खुलासा, अभियान को किया तेज

चीन की चाल से भारत की चौतरफा घेरेबंदी का पैदा हो गया है खतरा

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी सेना तैयार करने के बाद चीन ने पूरी दुनिया में सैन्य अड्डा बनाने के अभियान को तेज कर दिया है। अमेरिका के चर्चित थिंक टैंक रैंड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने दुनियाभर के देशों के साथ सैन्य बेस का समझौता कर रहा है ताकि अपनी सेना को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया जा सके।

इससे जहां ताइवान को लेकर अमेरिका को चुनौती देने की तैयारी है, वहीं भारत की चौतरफा घेरेबंदी का खतरा पैदा हो गया है। चीन की नजर कंबोडिया, नामीबिया, इक्वेटोरियल गिनी, यूएई जैसे देशों पर बढ़ गई है। चीन पहले ही अफ्रीका के जिबूती में नेवल बेस और ताजिकिस्तान के अंदर एक पैरा मिलिट्री बेस चला रहा है। वहीं भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार में भी चीन नेवल बेस बनाने का इरादा रखता है। म्यांमार में जारी गृहयुद्ध ने चीन को ऐसा करने का बड़ा मौका दे दिया है। रैंड ने बताया कि पीएलए

अमेरिका के पड़ोसी देश क्यूबा से लेकर अफ्रीका तक अपने पैर पसारने की तैयारी में है। शांतिकाल में चीन इन सैन्य अड्डों की मदद से जासूसी, राहत और बचाव कर सकता है, वहीं युद्ध काल में इसके इस्तेमाल को लेकर अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि चीन को विदेश में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

चुनावों से पहले शिंदे सरकार का बड़ा तोहफा

- अब सबको मिलेगा हेल्थ बीमा का लाभ; 60 फीसदी बढ़ाया प्रीमियम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने विधानसभा चुनावों से पहले राज्यवासियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब राज्य की नई स्वास्थ्य बीमा योजना महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य अभियान सभी के लिए लागू करने का फैसला किया गया है। सरकार ने इस योजना के वार्षिक प्रीमियम को 60 फीसदी बढ़कर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक कर दिया है। नई योजना 1 जुलाई से लागू होने जा रही है। नई स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत राज्यवासियों को अब डेढ़ लाख की जगह कुल पांच लाख का बीमा कवर दिया जाएगा। 2012 में लॉन्च होने के बाद से इस योजना में यह बड़ा बदलाव है। राज्य सरकार ने हाल ही में इस योजना के लिए निविदा प्रक्रिया का निपटान किया है।

10 साल से उम्रकैद तक की सजा, 10 करोड़ का जुर्माना

बुलडोजर ऐक्शन भी...यूपी में आ रहा पेपर लीक रोकने का तगड़ा कानून

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पेपर लीक मामलों ने लगातार सरकार की परेशानी बढ़ाई है। युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ और इससे उनमें पनपते आक्रोश को देखते हुए सरकार का ध्यान इस गंभीर चिंता पर गया है। इस समस्या को दूर करने के लिए योगी सरकार अब कड़े कानून लाने जा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर युवाओं से कहा है कि यूपी में होने

वाली भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए जल्द ही नया कानून लाने जा रहे हैं। किसी भी कीमत पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेंगे। दरअसल, यूपी में लोकसभा चुनाव से पहले हुए सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला खासा गरमाया था। अब सीएम योगी ने कहा है कि युवाओं के खिलाफ काम करने वाले नकल माफियाओं पर सख्त कार्रवाई होगी।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की वेबसाइट में अभी भी कमलनाथ ही अध्यक्ष दर्ज

कांग्रेस की ऑफिशियल वेबसाइट को 6 महीने से खोला ही नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की हालत बद से बदतर क्यों होती जा रही है, इस बारे में कई प्रमाण दिए जा सकते हैं। कांग्रेस इसे स्वीकार भले न करे, पर जो दिखाई दे रहा और समझा जा रहा है वही सच भी है। कांग्रेस के नेता और पार्टी का नेतृत्व कितना बेखबर है इसका सबसे बड़ा सबूत यही है कि कांग्रेस की ऑफिशियल वेबसाइट पर अभी भी कमलनाथ ही अध्यक्ष हैं। कमेटी भी वही है और राहुल गांधी की दूसरी बार की न्याय यात्रा का इस वेबसाइट पर कोई जिक्र तक नहीं! अब पार्टी का प्रदेश में कोई सांसद नहीं है। पर, इस वेबसाइट में नकुलनाथ दर्ज हैं। इससे लगता है कि इसे कई महीनों से खोला भी नहीं गया।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद

से हटे कमलनाथ को करीब 6 महीने हो गए। इसके बाद देश में लोकसभा चुनाव हो गए और पार्टी सभी 29 सीटें हार गई। विधानसभा चुनाव हारने के बाद तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को हटा भी दिया गया और उनकी पूरी समिति को बदल दिया। अब जीतू पटवारी प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं, पर पार्टी की ऑफिशियल वेबसाइट इस बदलाव से पूरी तरह बेखबर है।

वेबसाइट के मुख पृष्ठ पर अभी भी कमलनाथ को ही अध्यक्ष दर्शाते हुए उनका फोटो लगा है। उनकी कमेटी के सभी सदस्य भी वही दर्ज हैं, जो पहले थे। इसका सीधा आशय है कि पार्टी की ऑफिशियल वेबसाइट वेबसाइट को कई महीनों से सर्च भी नहीं किया गया। जबकि, कमलनाथ को हटाए जाने के बाद जीतू पटवारी पार्टी के अध्यक्ष बनाए गए। पार्टी ने उमंग सिंगार को नेता प्रतिपक्ष बना दिया। लेकिन, इस वेबसाइट पर इन नामों का कोई उल्लेख नहीं है।

पार्टी की सुप्तावस्था से समझा जा सकता है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस में कितने बड़े परिवर्तन की आवश्यकता है। पार्टी के सोशल मीडिया विभाग से कई बड़े दिग्गजों के नाम जुड़े हैं और प्रवक्ताओं की बड़ी भीड़ है। लेकिन, उनका अभी तक इस तरफ ध्यान ही नहीं गया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की वेबसाइट अभी भी वही अटकी है, जहां वह 6 महीने पहले थी।

सुप्रभात

खोजता हूँ
क्या हैं मेरे भीतर भी
ये सघन वन
हवा में डोलते
आवारा उन्माद से
चहचहाते कूकते
पाखियों में
झूमते उद्दंड वेग से
किस ओज से
भैरव सा
कोई राग गाते
मैं सभ्यता की
कोलतारी सड़क से
चलता हुआ भीतर
उस वन का
निर्झर ढूंढ रहा हूँ
जो झरा हो
मेरी ही चेतना से
एक पेड़..जिसके सहारे
मैं खड़ा हूँ
अपनी खुरदुरी छाल से छूकर
मुझसे कहा रहा है
ढूँढ पागल...
मैं तेरे भीतर भी खड़ा हूँ।

– विवेक चतुर्वेदी

भोपाल का तापमान

अधिकतम 42.5 °c

न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 18 जून 2024

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

मोदी 3.0 के पहले बजट में टैक्सपेयर्स को मिलेगी गुड न्यूज !

● सरकार मिडिल क्लास को दे सकती है इनकम टैक्स में राहत ● डिस्पोजेबल इनकम बढ़ने से देश में खपत को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट जुलाई में पेश किया जा सकता है। इसमें टैक्सपेयर्स को गुड न्यूज मिल सकती है। फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिनों में बजट-पूर्व बैठकों का सिलसिला शुरू कर सकती है। इस बीच एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार इनकम टैक्स रेट में कटौती पर विचार कर सकती है। अधिकारियों का कहना है कि इससे लोगों के पास खर्च करने योग्य आय यानी डिस्पोजेबल इनकम बढ़ेगी। इस तरह की इनकम बढ़ने से खपत बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। माना जा रहा है कि सरकार मौजूदा इनकम टैक्स स्ट्रक्चर को व्यावहारिक बनाने पर विचार कर सकती है। खासकर लोअर इनकम लेवल पर टैक्स रेट में कटौती की जा सकती है। अधिकारियों का कहना है कि डिमांड को रिवाइव करने के लिए खपत बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए टैक्स स्ट्रक्चर को व्यावहारिक बनाया जाएगा। इससे लोगों के हाथों में ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आएगी और खपत में इजाफा होगा, आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और सरकार का जीएसटी कलेक्शन बढ़ेगा।

अभी नए टैक्स सिस्टम में तीन लाख रुपये से अधिक इनकम पर पांच फीसदी टैक्स का प्रावधान है। इसी तरह 15 लाख रुपये से अधिक की इनकम पर 30 फीसदी टैक्स लगता है। इस तरह इनकम के पांच गुना बढ़ने पर टैक्स रेट छह गुना बढ़ जाता है। एक अधिकारी ने कहा कि टैक्स में छूट से सरकार को रेवेन्यू का नुकसान होगा।

कांग्रेस बोली- संसद परिसर में प्रेरणा स्थल का उद्घाटन मनमानी

स्वतंत्रता सेनानियों की अलग-अलग रखीं मूर्तियां यहां एक साथ लगाई गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा अध्यक्ष और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को संसद परिसर में प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। प्रेरणा स्थल में सभी राष्ट्रीय प्रतीकों और स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियां एक साथ रखी गई हैं, जो पहले परिसर में अलग-अलग जगह रखी हुई थीं। कांग्रेस ने इस कदम को सरकार की मनमानी बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि परिसर में लगी मूर्तियों को उनकी जगह से हटाकर दूसरी जगह लगाने का फैसला सरकार ने बिना किसी से पूछे लिया है। ऐसा करना संसद के नियमों और परंपराओं के खिलाफ है। यह लोकतंत्र का उल्लंघन है। लोकसभा सेक्रेटेरिएट ने कहा कि इन्हें एक जगह किया गया है ताकि लोगों को भटकना न पड़े।

दुनिया के सबसे ऊंचे पुल से होकर रियासी पहुंची पहली ट्रेन

सफल रहा चिनाब ब्रिज का ट्रायल, एफिल टावर से भी ऊंचा है यह रेलवे ब्रिज

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर घाटी तक ट्रेन पहुंचने का सपना अब पूरा ही होने वाला है। रविवार को संगलदान और रियासी के बीच ट्रेन का ट्रायल रन किया गया। पहली बार चिनाब नदी पर नए दुनिया के सबसे ऊंजे रेलवे ब्रिज से होकर ट्रेन रियासी पहुंची।

बता दें कि इस पुल की ऊंचाई 359 मीटर है जो कि एफिल टावर से भी 35 मीटर ऊंचा है। बता दें कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीनगर पहुंचने वाले हैं। इससे पहले रेलवे ने यह बड़ी सफलता हासिल की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, संगलदान से रियासी तक पहली ट्रायल ट्रेन दौड़ चुकी है। यह ट्रेन चिनाब ब्रिज पार करके रियासी पहुंची। यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट के तहत ज्यादातर काम पूरा हो गया है। अब केवल टनल नंबर 1 का थोड़ा काम बाकी है। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक इस महीने के आखिरी में संगलदान-रियासी सेक्शन में दो दिन जांच की जाएगी। बता दें कि ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 272 किलोमीटर है जिसमें से 209 किलोमीटर कमीशन हो गया है। फिलहाल कन्याकुमारी से कटड़ा तक ट्रेनें चलती हैं। वहीं बारामूला से संगलदान तक भी ट्रेन चलने लगी है। यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट के बनिहाल से संगलदान सेक्शन के 48.1 किलोमीटर सेक्शन का उद्घाटन पीएम मोदी ने 20 फरवरी को किया था।

यह प्रोजेक्ट अहम इसलिए है क्योंकि इसके रास्ते में ही चिनाब रेल ब्रिज पड़ता है जो दुनिया के सबसे ऊंचा रेलवे पुल है। यह पुल स्टील आर्क का बना हुआ है। यह ब्रिज 1.3 किलोमीटर लंबा है। इस रूट पर इलेक्ट्रिक इंजन का सफल परीक्षण किया गया है। 30 जून को इस रूट पर ट्रेन ऑपरेट हो सकती है।

ऊधमपुर से सांसद और बीजेपी के मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जल्द ही इस ब्रिज पर रेल सेवा शुरू हो जाएगी। इस साल के अंत तक इस रेल लिंक प्रोजेक्ट का काम पूरा हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने शुरू की तैयारी

● महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के लिए नियुक्त किए प्रभारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद केंद्र में सरकार बन चुकी है। इसके बाद अब बीजेपी ने अब राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। इस क्रम में पार्टी ने महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में प्रभारी और सहप्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा की है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन राज्यों में प्रभारी के रूप में केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के नामों की घोषणा की। पार्टी की तरफ से जारी प्रेसनोट में कहा गया कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आगामी विधानसभा चुनाव-महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। पार्टी ने महाराष्ट्र के प्रभारी के रूप में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को जिम्मेदारी सौंपी हैं।

जम्मू-कश्मीर के बाद मणिपुर पर ऐक्शन की शुरू है तैयारी

● अमित शाह ने की हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोमवार शाम को एक रिव्यू मीटिंग की। यह हाईलेवल मीटिंग गृह मंत्रालय के नॉर्थ ब्लॉक

में शाम 4 बजे हुई। इसमें केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो अधिकारियों के साथ मणिपुर के मुख्य सचिव, मणिपुर डीजीपी, साथ ही सेना और अन्य सुरक्षा बलों के अधिकारी भी शामिल हुए। एक दिन पहले ही गृह मंत्री शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा को लेकर हाई लेवल मीटिंग की थी।

हमें वोट नहीं दिया यादव-मुसलमानों का काम नहीं करूंगा

● जेडीयू सांसद बोले-आएं तो चाय, नाश्ता कराकर वापस लौटा दूंगा

सीतामढ़ी (एजेंसी)। बिहार के जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर लोकसभा चुनाव में कम वोट मिलने से नाराज हैं। उन्होंने सीतामढ़ी सीट से चुनाव जीता है। उन्होंने कहा, अब वे यादव और मुसलमानों के लिए कोई काम नहीं करेंगे।

यादव और मुसलमान समाज के लोग कोई काम करवाने आते हैं तो जरूर आएं, लेकिन चाय, नाश्ता कर वापस चले जाएं। उन्होंने यह बात सीतामढ़ी में रविवार को आभार यात्रा के दौरान कही। देवेश ने सीतामढ़ी से 51,356 वोटों से आरजेडी के डॉ. अर्जुन राय को हराया है। देवेश को कुल 5,15,719 वोट मिले, जबकि आरजेडी के राय को 4,64,363 वोट मिले हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि देवेश जीत का अंतर कम होने से खफा हैं।

यौन शोषण केस

सीआईडी के सामने पेश हुए कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नाबालिग लड़की से यौन शोषण मामले में पूछताछ के लिए कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा सोमवार को सीआईडी के सामने पेश हो गए हैं। सीआईडी के अफसर उनसे पूछताछ कर रहे हैं। घर से निकलते समय मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- मैं पूछताछ के लिए जा रहा हूं। राज्य के लोग बहुत दिक्कतें झेल रहे हैं। ऐसे समय में पेट्रोल-डिजल के दाम बढ़ाना एक अपराध है। येदियुरप्पा ने रविवार को कहा था कि कुछ लोग कन्फ्यूजन फैलाना चाहते हैं। मैं किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहता। सबको सब कुछ पता ही है। इस साजिश के पीछे जो भी है, उसे जनता सबक सिखाएगी। दरअसल, येदियुरप्पा के खिलाफ 13 जून को गिरफ्तारी के लिए गैर जमानती वारंट बेंगलुरु की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने जारी किया था। हालांकि, कर्नाटक हाईकोर्ट ने 14 जून को गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि येदियुरप्पा को सीआईडी के सामने पेश होना होगा। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अरेस्ट वारंट जारी करने को लेकर भी आपत्ति जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि येदियुरप्पा पूर्व सीएम हैं। वे केस में सहयोग कर रहे हैं। उनकी उम्र और मामले की जांच में उनके व्यवहार को ध्यान रखना जरूरी है।

भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क में केंद्रीय कृषि कल्याण एवं पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना ने पौधारोपण किया।

एमसीयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर होगा दो दिवसीय आयोजन

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय माखनपुरम बिशनखेड़ी में 10 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। प्रथम दिवस 20 जून को विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.(डॉ.)के.जी.सुरेश की अध्यक्षता एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो के अपर महानिदेशक श्री प्रशांत पाठरवे के मुख्य आतिथ्य में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा। द्वितीय दिवस 21 जून को विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सुबह 8.30 बजे योगाभ्यास किया जाएगा। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के गीत एवं नाटक प्रभाग द्वारा दोनों दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी जाएगी । विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.(डॉ.) के.जी.सुरेश ने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो,आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन एवं एमसीयू के सहयोग से विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में यह आयोजन होने जा रहा है, जिसका विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग' है। प्रो. सुरेश ने कहा कि सभी चाहते हैं कि वह कभी बीमार न हो और उसका स्वास्थ्य सदैव अच्छा बना रहे। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति नियमित रूप से योग करता है तो फिट रहने के साथ ही उसका स्वास्थ्य भी हमेशा अच्छा बना रहेगा।

गहलोत 'राज' का फैसला बदलेगी भजनलाल सरकार

जयपुर (एजेंसी)। दूदू को ग्राम पंचायत से सीधा जिला बना दिया गया था। यह राजस्थान का सबसे छोटा जिला है जिसके अंतर्गत सिर्फ तीन पुलिस थाने आते हैं। दूदू प्रदेश का सबसे छोटा जिला है। इसी तरह खैरथल-तिजारा सहित अन्य कुछ जिले ऐसे हैं जिनका क्षेत्रफल काफी छोटा है। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने 17 नए जिले बनाए थे जिनमें दूदू, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड, सांचौर, फलोदी, शाहपुरा सहित अन्य जिले शामिल हैं। प्रदेश की भजनलाल सरकार पूर्ववर्ती सरकार के इस फैसले की समीक्षा करने जा रही है। समीक्षा के लिए 5 मंत्रियों की एक कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। इसके बाद सरकार कई जिलों को दिए गए जिले के दर्जे को समाप्त करने का निर्णय ले

सकती है। दूदू, खैरथल-तिजारा सहित कुल 10 से 12 जिले ऐसे बताए जा रहे हैं जिन पर गाज गिरना लगभग तय है। वर्तमान में प्रदेश में 50 जिले हैं। पहले 33 जिले थे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सालभर पहले 17 नए जिले बना दिए थे। जयपुर और जोधपुर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र को अलग अलग जिलों में बांट दिया था।

अब देशी बंदूकों से ही होगी भारत की रक्षा

विदेशी हथियारों पर बैन की तैयारी कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय दिसंबर 2025 के बाद तकरीबन 371 रक्षा सामग्री की स्वदेशी खरीद को अनिवार्य बना सकता है। इन सामग्रियों का निर्माण देश में किया जा रहा है तथा कोशिश यह हो रही है कि उपरोक्त तिथि के बाद इनके आयात को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया जाए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, देश में रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता लाने के लिए दिसंबर 2025 से पहले इन 371 रक्षा सामानों को देश में ही बनाने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय डीआरडीओ, रक्षा उत्पादन विभाग और उद्योग जगत से परामर्श के बाद लिया गया। दरअसल, ये सभी सामान अभी विदेशों से आयात होकर आ रहे थे। जबकि उद्योग जगत और सार्वजनिक रक्षा उपक्रम इनका देश में निर्माण करने में सक्षम थे।

इनमें गोला, बारूद, विभिन्न प्रकार की बंदूकें, राइफलें, राडार, मानव रहित विमान, रक्षा प्लेटफार्म, वायुसान, जंगी पोत, पनडुब्बियां आदि शामिल हैं। दूसरे चरण में दिसंबर 2026 के बाद 66 और रक्षा सामग्री के आयात को प्रतिबंधित किया जाएगा।

राहुल वायनाड सीट छोड़ेंगे, प्रियंका लड़ेंगी

रायबरेली से बने रहेंगे सांसद

● 2 घंटे की बैठक के बाद खड़गे का ऐलान, प्रियंका वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी

लखनऊ (एजेंसी)। राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे और रायबरेली से सांसद बने रहेंगे। वायनाड से प्रियंका गांधी उपचुनाव लडेंगी। सोमवार को कांग्रेस की 2 घंटे की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और खुद राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान किया। राहुल ने इस मौके पर कहा, वायनाड और रायबरेली से मेरा भावनात्मक रिश्ता है। मैं पिछले 5 साल से वायनाड से सांसद था। मैं लोगों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनाव लड़ेंगी। मैं समय-समय पर वायनाड का दौरा भी करूंगा। मेरा रायबरेली से पुराना रिश्ता है, मुझे खुशी है कि मुझे फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा, लेकिन यह एक कठिन निर्णय था।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में एक आतंकी का खात्मा

● अरागाम के जंगलों में मुठभेड़ जारी, रियासी में हुए आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए

बांदीपोरा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। यहां 2 से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश की जा रही है। अरागाम के जंगलों में रविवार को फायरिंग की आवाज सुनाई दी। इसके बाद सेना और पुलिस ने सर्चिंग की। सोमवार सुबह तलाशी तेज की गई तो आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मारे गए आतंकवादी का शव जंगल में पड़ा हुआ है।

उसे ड्रोन से देखा गया। हालांकि, उसकी पहचान नहीं हो पाई है। इधर, 9 जून को रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। गृह मंत्रालय के आदेश के बाद इस केस में नई एफआईआर दर्ज की गई है। 16 जून को ही गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। जिसमें उन्होंने निर्देश दिया था कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। 9 जून के बाद से चार आतंकी हमले हो चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर में चिनाब ब्रिज पर हुआ ट्रेन का सफल ट्रायल

● **यह दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज, संगलदान-रियासी के बीच 30 जून से चलेगी पहली ट्रेन**

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बताया कि जम्मू के रामबन में संगलदान और रियासी के बीच ट्रेन का पहला ट्रायल रन पूरा हुआ है। यह ट्रेन चिनाब ब्रिज से होकर गुजरेगी, जो कि दुनिया का सबसे ऊंचा स्टील आर्च ब्रिज है। अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस सफल परीक्षण की जानकारी दी। चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। एफिल टॉवर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस

ब्रिज को चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक संगलदान से रियासी रूट पर इलेक्ट्रिक इंजन के सफल परीक्षण के बाद इस रूट पर पहली ट्रेन 30 जून को ऑपरेट करेगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट के तहत सभी निर्माण कार्य लगभग पूरे हो गए हैं। टनल नंबर 1 का निर्माण थोड़ा बाकी है।

लोहा कारोबारी से दो करोड़ रुपये वसूलने की साजिश रचने वाली हनीट्रैप की मास्टर माइंड फरार, एक गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर में गीता कालोनी के लोहा कारोबारी सजल मित्तल से दो करोड़ रुपये वसूलने की साजिश की मास्टर माइंड सपना साहू पुलिस को चकमा दे गई। दो दिनों तक थाने और कोर्ट के चक्कर लगा रही सपना को एफआईआर की भनक लग गई थी। हालांकि पुलिस ने महू से एक गुंडे को गिरफ्तार कर लिया जो सपना के गैंग का अहम सदस्य है। पलासिया पुलिस ने शनिवार रात सजल के पिता सतीश मित्तल की शिकायत पर आरोपित ऋषि, नीरज निवासी आनंद नगर गवली पलासिया, मदन, राधे उर्फ पहलवान निवासी भाटखेड़ी महू, सपना साहू उर्फ लेडी डान, शुभम निवासी छत्रछाया नगर और एक महिला के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया था। टीआई मनीष मिश्रा के मुताबिक शुभम और नीरज को पुलिस ने रविवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया। महिला (दुष्कर्म की रिपोर्ट लिखवाने वाली) और उसके पति को रिमांड पर लिया है। दोनों के मोबाइल जब्त कर लिए है। रविवार शाम पुलिस ने राधे को भाटखेड़ी से गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध हत्या

सहित कई केस दर्ज है। महिला ने राधे को सजल का विजिटिंग कार्ड वॉट्सएप पर भेजा था। उससे कहा था कि इसकी जानकारी जुटाओ। बड़ा आसामी है। मुझसे तीन महीने से बात कर रहा है। पांच-छह बार मुलाकात कर चुका है। आरोपित पेशेवर ब्लैकमेलर की तरह बात कर रहे थे। इससे शक है कि पूर्व में भी संभ्रांत परिवार के युवकों को फंसाकर रुपये ऐंठ चुके हैं।

हमदर्द बन थाने में सौदेबाजी कर रही थी

सपना वसूली की साजिशकर्ता सपना उर्फ लेडी डॉन है। उसके विरुद्ध कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। सपना और सजल परिचित हैं। उसने ही सजल की महिला से मुलाकात करवाई थी। साजिश के तहत उसने महिला को थाने भेजा और एफआईआर दर्ज होते ही खुद भी पहुंच गई।

लुटेरी दुल्हन गैंग की सदस्य है महिला

सजल के विरुद्ध दुष्कर्म की रिपोर्ट लिखवाने वाली महिला लुटेरी दुल्हन गिरोह की सदस्य है। उसके गैंग में ग्रामीण इलाकों की युवतियां, महिलाएं, दलाल और गुंडे शामिल हैं। महिला ब्लैकमेलिंग का बड़ा रैकेट चलाती है।

शिकायतकर्ता सतीश मित्तल ने इंदौर पुलिस को उन लोगों के फोटो और न्यूज के वीडियो भी भेजे हैं जिनको महिला ने ठगा है। महिला शादी कर कुछ दिनों बाद ससुराल से जेवर और नकदी लेकर फरार हो जाती है। पुलिस को उसके अलग-अलग आधार कार्ड भी मिले हैं।

मोबाइल में मिली लोकेशन से पकड़ी गई महिला

पुलिस महिला को दुष्कर्म पीड़िता समझ कर जांच कर रही थी। महिला अधिकारी ने तो सजल को सजा दिलाने के मकसद से धारा 164 के तहत कथन दर्ज करवाने कोर्ट भेजा था। इसी बीच महिला के पति ने सजल के पिता सतीश से सौदेबाजी शुरू कर दी। टीआई ने महिला को थाने बुलाकर मोबाइल छीना तो उसमें पति को भेजी लोकेशन मिल गई। सख्ती करने पर महिला टूट गई और कहा सजल के पास आते ही पति को लोकेशन भेजती थी। टीआई के मुताबिक महिला का पति दुष्कर्म का आरोपित रहा है।

इंदौर में कांग्रेस का आरोप- एमबीए पेपर लीक कांड में अक्षय बम के कॉलेज को बचा रही सरकार

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के एमबीए पेपर लीक कांड को लेकर कांग्रेस ने प्रेस वार्ता कर सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिस आयडलिक कॉलेज से पेपर लीक हुआ वो अक्षय बम का है, सरकार उसे बचाने में लगी है। केंद्र ने कानून बनाया है कि पेपर लीक करने वाले पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना और 10 साल तक की सजा दी जानी चाहिए। लेकिन अक्षय बम के कॉलेज पर केवल 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

कांग्रेस विधानसभा में उठाएगी मामला- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की बैठक में सरकार की ओर से उच्च शिक्षा आयुक्त को भेजा गया। उन्होंने बैठक में शामिल सदस्यों से कहा कि नकारात्मक बात न करें और पेपर लीक करने वाले कॉलेज पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने विश्वविद्यालय में धारा 52 लगाने की मांग की गई। कांग्रेस इस मामले को विधानसभा में भी उठाएगी।

इंदौर में नाबालिग बेटी दे पाएगी पिता को लीवर?

15 दिन में ट्रांसप्लांट जरूरी, लेकिन बेटी की उम्र से फंसा पेंच...

इंदौर। 6 साल से पिता शिवनारायण बाथम लीवर की बीमारी से घिरे हैं। डोनर नहीं मिला। अब डॉक्टर कह चुके हैं कि 10 से 15 दिन में लीवर ट्रांसप्लांट नहीं किया तो जान को खतरा है। यह सुनकर 17 साल 10 महीने की उनकी नाबालिग बेटी प्रीति सामने आई। उसने कहा कि मैं अपने पिता को लीवर देना चाहती हूं। लेकिन उम्र 2 महीने कम पड़ गई है। डॉक्टरों ने लीवर ट्रांसप्लांट से मना कर दिया। इस पर परिवार 13 जून को हाई कोर्ट पहुंच गया है। दलील दी कि उम्र सिर्फ 2 महीने कम है तो दूसरी तरफ पिता के लिए अगले 15 दिन बहुत क्रिटिकल हैं। अदालत ने चीफ मेडिकल ऑफिसर से बाथम की मेडिकल रिपोर्ट मांगी है। 18 जून को याचिका पर फैसला आ सकता है।

संघर्ष के बीच जारी है पढ़ाई

पिता की देखभाल के साथ-साथ प्रीति पढ़ाई भी कर रही है। वह जीडीसी कॉलेज में फर्स्ट ईयर में है। हॉस्पिटल सहित अन्य सारे काम वह ही करती है। अब घरवालों को भी कोर्ट में होने वाली अगली सुनवाई का इंतजार है।

इंदौर में फिर लगे भाजपा नेता अक्षय बम के पोस्टर

इंदौर। इंदौर में सोमवार से कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा नेता और आयडलिक कॉलेज के संचालक अक्षय बम का पोस्टर लगा दिए हैं। पोस्टर में सवाल पूछा है कि साइकिल पर चलने वाला करोड़पति कैसे बना। कांग्रेसियों ने विरोध करते हुए सरकार से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। बता दें कि बम के आयडलिक कॉलेज के स्टाफ का नाम DAVV के एमबीए के पेपर लीक से जुड़ा है। शहर कांग्रेस द्वारा सोमवार सुबह विश्वविद्यालय पर हल्ला बोल पोल-खोलो अभियान की शुरुआत की गई। कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और अक्षय बम के पोस्टर लगाए। कांग्रेस शहर भर के कॉलेजों में ये अभियान चलाकर पेपर लिंक कांड पर अक्षय बम के कॉलेज पर कड़ी कार्रवाई न करने को लेकर विरोध करेगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीएवीवी परिसर के अलावा रीगल चौराहा, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, ई-रिक्शा, बसों पर यह पोस्टर लगाए हैं।

साइकिल से चलने वाला करोड़पति कैसे बना-कांग्रेस- इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने आरोप लगाया कि शिक्षा को अवैध धंधा बनाने वाले शिक्षा माफिया के खिलाफ देवी अहिल्या विश्वविद्यालय पर काली पट्टी बांधकर हल्ला बोल पोल खोलो अभियान चलाया गया।

आयडलिक कॉलेज के संचालक अक्षय बम साइकिल से कुछ ही वर्षों में करोड़पति कैसे बने? 15 लाख की घड़ी पहनने के साथ बड़ी लग्जरी गाड़ियों में चलने लगा। यादव ने कहा कि कॉलेज की मान्यता निरस्त नहीं करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन, कुलपति, कार्यपरिषद सदस्य, उच्च शिक्षा आयुक्त भी दोषी हैं।

कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस भी- पेपर लीक कांड को लेकर कांग्रेस लगातार हमलावार है। कांग्रेस नेता रवि जोशी आज इंदौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बम के कॉलेज में हुई अनियमितता को लेकर मीडिया से चर्चा करेंगे। इस पहले कांग्रेस ने मामले की जानकारी जुटाने के लिए कमेटी भी बना चुकी है। 5 सदस्यीय कमेटी में पूर्व विधायक रवि जोशी, मृणाल पंत, पूर्व ईसी मेंबर अजय चौरडिया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा सहित अन्य नेता शामिल है।

इंदौर की बहू को चेन्नई में प्रताड़ना-पति और सास ने 25 लाख के लिये प्रताड़ित किया; केस दर्ज

इंदौर। इंदौर की बहू को चेन्नई में रहने वाले उसके पति और सास द्वारा प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। वहां पुलिस की मदद नहीं ले पाने पर पिता को कॉल इंदौर आने की सूचना दी। पीड़िता को उसके पिता इंदौर लेकर आए और स्थानीय थाने में जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया। हीरा नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दीनदयाल उपाध्याय नगर में रहने वाली हीना जैन की शिकायत पर उसके पति दिलीप जैन और सास संगीता जैन निवासी चेन्नई तमिलनाडु के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि फरवरी 2022 में उसकी शादी धार्मिक और पारिवारिक रीति रिवाज से हुई। शादी के कुछ दिन बाद ही उसे सास संगीता परेशान करने लगी।

उन्होंने घर से 25 लाख रुपए लाने के लिए ताने मारे।कुछ दिन बाद पति भी मारपीट करने लगा। वह धमकाने लगे कि रुपए तो देने पड़ेंगे अगर नही लाई तो मार डालेगें। मायके में लोगों को पता नहीं चलेगा। शादी के बाद गर्भवती हुई। एक बेटा हो गया। लेकिन पति और सास के का

व्यवहार वही का वही बना रहा। सास कहती थी कि तेरे घर वालों की कोई औकात नही। घर में कामवाली जैसा व्यवहार किया जाने लगा। जिससे शारीरिक रूप से कमजोर हो गई। पति घर से बाहर नहीं निकलने देते। इसलिये वहां पुलिस की मदद नही ले पाई। 9 जून 2024 को छिपकर अपने पति दिलीप के मोबाइल से पापा को कॉल किया। उन्हें कहा कि यहां से ले जाओ पति और सास मार डालेगे। पापा एक दिन बाद ससुराल आए। वहां से लेकर 14 जून को इंदौर आ गए। डेढ़ साल के बेटे की तबीयत खराब होने के चलते मेडिकल कराकर वापस चली गई। बाद में तबीयत ठीक होने पर दोनों के खिलाफ केस दर्ज कराया।

रेड सिग्नल पर डांस करके सुर्खियों में आई..अब बनी मॉडल, रोडीज से शुरू किया करियर

इंदौर। इंदौर में दो साल पहले सिग्नल पर डांस के कारण ट्रोलिंग की शिकार हुई श्रेया कालरा अब बॉलीवुड का हिस्सा बन चुकी हैं। श्रेया ने रोड पर रेड सिग्नल के दौरान डांस का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी पोस्ट किया था। जिस पर लोगों ने काफी नाराजगी जताई थी। इंदौर की रहने वाली श्रेया फिलहाल मुंबई में रहती हैं और मॉडलिंग में कॅरियर बना चुकी हैं। श्रेया बताती हैं कि कॅरियर की शुरुआत 2020 में रोडीज शो से की थी। जिसके बाद कुछ म्यूजिक वीडियो भी किए और अब वो हुंगामा की एक सीरीज का हिस्सा भी बन चुकी हैं। जो जल्द ही देखने मिलेगी।

सवाल-आज के युवाओं को ग्लेमर लाइफ में जाना है, इसमें कितना स्ट्रगल है?

जवाब- सबसे पहले तो भरोसा बहुत जरूरी है। अगर आप ठान लो की इस फील्ड में कुछ करना है, तो उसके लिए मुंबई तो आना पड़ेगा। क्योंकि यहां ऑप्शन ज्यादा हैं। यहां लाइफ टफ है, बहुत ज्यादा डिफिकल्ट हैं। लेकिन नामुमकिन नहीं है। आपको हर दिन मेहनत करनी पड़ेगी। एक दिन आपको कुछ न कुछ मिल जाएगा।

सवाल- इस फील्ड में आने के लिए कोई कोचिंग करना पड़ती है? जवाब-मैंने कहीं से एक्टिंग की कोचिंग नहीं की। मुझे लगता

है की हमें लाइफ बहुत सारी चीजें सिखाती है। मैं 3 साल ऑस्ट्रेलिया में रही, तो वहां की लाइफ स्टाइल को देखकर बहुत सारी चीजें अपनाई। सही बोलना आना चाहिए, कॉन्फिडेंस होना चाहिए, ये सब मैंने बाहर से सीखा। फिर मुंबई गई तो वहां बहुत ठोकरें खाई, संभली और ऐसे ही आगे बढ़ी।

सवाल-मुंबई के मुकाबले इंदौर शहर लड़कियों के लिए कितना सेफ है?

जवाब- मैं बाकी लड़कियों के बारे में नहीं बोल सकती, लेकिन खुद के बारे में बोल सकती हूं कि अगर इंदौर में मुझे रात में बाहर जाना है तो मैं नहीं जा सकती। जैसे मुझे 4 बजे भाई को एयरपोर्ट ड्रॉप करने जाना है, तो मैं रात को नहीं जा सकती। क्योंकि एक डर है मन में की सेफ फील नहीं होगा तो कैसे जाए। हां लेकिन कुछ एरिया हैं इंदौर में जो सेफ हैं। वहीं अगर मुंबई की बात करें तो वहां मैं सुबह पांच बजे ऑटो से शूटिंग के लिए जाती हूं। वहां लाइट नहीं होती, लेकिन फिर भी सेफ फील होता हैं।

इंदौर की आधी आबादी हो सकती है गंभीर बीमारियों का शिकार, हर चौथे युवा को प्री-डायबिटीज

इंदौर। स्वादिष्ट खानपान के लिए प्रसिद्ध इंदौर में लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। यहां की आधी जनसंख्या गंभीर बीमारी का शिकार हो सकती है। यह बात हेल्थ आफ इंदौर के सर्वे में सामने आई है, जो काफी चिंताजनक है। सर्वे में ढाई लाख लोगों की करीब 28 लाख लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की जांच की गई थी। सर्वे में यह भी सामने आया है कि ग्रामीण से अधिक शहरी क्षेत्र के लोगों को गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इसका मुख्य कारण अनियंत्रित खानपान और बिगड़ती जीवनशैली है। सर्वे में 30 हजार युवाओं को भी शामिल किया गया, जिसमें चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि इंदौर के हर चौथे युवा को प्री-डायबिटीज है। दावा किया जा रहा है कि यह विश्व का सबसे बड़ा प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे है। हेल्थ आफ इंदौर का अभियान सांसद सेवा संकल्प, सेंट्रल लैब, रेडक्रास सोसाइटी एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा मिलकर चलाया गया था। हेल्थ आफ इंदौर के सर्वे के मुताबिक सेंट्रल लैब की डा. विनिता कोठारी ने बताया कि ढाई लाख लोगों की 28 लाख से अधिक जांच की गई। इसमें उन लोगों को शामिल किया गया, जो खुद को स्वस्थ मानते हैं। इस सर्वे का उद्देश्य यह है कि समय रहते हम बीमारी के संकेत को समझ सकें और उसके लिए समय पर देखभाल शुरू की जा सके।

इंदौर के तालाबों का वाटर लेवल डाउन, मानसून लेट होने से जून की एवरेज बारिश का कोटा पूरा होने पर संशय

इंदौर। इस बार इंदौर में मई महीने में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी रही। जून के पहले हफ्ते में भी गर्मी का खासा असर रहा। इसका प्रभाव अब जल स्तर पर पड़ा है। शहर के तालाबों का जल स्तर पिछले सालों की तुलना में कम हुआ है। खास बात यह कि जून का आधा माह बीत चुका है। इस बार मानसून की प्रदेश में एंट्री 18 से 20 जून तक संभावित है। शहर में जून में औसत बारिश का कोटा पौने छह इंच है। मौसमी संकेत हैं कि इस बार जून का कोटा पूरा होना मुश्किल हो सकता है। दरअसल जून की शुरुआत प्री मानसून से होती है। इस बार जून में भी काफी तापमान रही। इसका असर अभी भी गर्मी व उमस के रूप है। गर्मी का असर शहरी और सीमावर्ती दोनों क्षेत्रों में पड़ा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेवती रेंज में 11 लाख पौध रोपण के लिए बोरिंग किया गया। यहां जल स्तर 800 फीट नीचे चला गया। ऐसा ही असर तालाबों के जल स्तर पर भी पड़ा है।

इंदौर में आईटी कंपनी ने की धोखाधड़ी, CEO सहित तीन पर केस, सिक्योरिटी बॉन्ड के नाम से रुपए लेने का आरोप

इंदौर। इंदौर के विजय नगर इलाके की एक आईटी कंपनी के सीईओ सहित तीन पर केस दर्ज किया गया है। पीड़ित लोगों ने आरोप लगाया है कि उनसे सिक्योरिटी बॉन्ड के नाम से रूपए लिये गए। इसके बाद आरोपी कंपनी बंद कर यहां से फरार हो गए। इस मामले में लिखित शिकायत पर जांच क बाद कार्रवाई की गई है। टीआई सी बी सिंह के मुताबिक सदाशिव, हरिओम चंद्रवशी, अदिती चौकसे, गुंजन दीक्षित सहित अन्य लोगों ने रियल वर्ल्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सीइओ सूर्य प्रकाश, अमित कुमार, रणविजय सिंह आफिस पता पीयू 4 स्कीम नंबर 54 के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया है। सदाशिव और अन्य लोगों ने अपनी शिकायत में बताया कि उक्त कंपनी के आफिस में करीब 300 लोग कार्यरत है। सबसे करीब 30 से 40 हजार रूपए की राशि सिक्योरिटी बॉन्ड के नाम से जमा करवाई गई। जिसमें कर्मचारियों से कहा गया कि 100 वर्किंग डेज के बाद सैलरी मिलना शुरू हो जाएगी। लेकिन 70 दिनों में ही कंपनी फरार हो गई। कर्मचारियों की नियुक्ति 11 मार्च से की गई। जिसमें अलग अलग समूह बनाकर उनसे काम कराया जा रहा था। जिसमें कुछ कर्मचारियों से आफिस बुलाकर और कुछ से ऑनलाइन काम कराया जा रहा था।देशभर में है कंपनी के ब्रांच, इन्होंने की नियुक्ति विजय नगर पुलिस के मुताबिक इसकी ब्रांच इंदौर, पुणे, हैदराबाद, दिल्ली, गुडगांव और रायपुर में है।

इंदौर के DAVV में एमबीए पेपर लीक मामला: पूर्व ईसी मेंबर बोले-कार्यपरिषद को पेनल्टी लगाने का पावर नहीं

इंदौर। डीएवीवी पेपर लीक मामले को कांग्रेस ने विधानसभा में उठाने की तैयारी है। भाजपा नेता अक्षय बम के आयडलिक कॉलेज पर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की कार्रवाई पर कांग्रेस और पूर्व कार्य परिषद सदस्यों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पेपर आउट करने के बावजूद कॉलेज पर महज 5 लाख की पेनल्टी और 3 साल के लिए कॉलेज को परीक्षा केंद्र नहीं बनाने की कार्रवाई की गई है। पूर्व ईसी मेंबर का कहना है कि कार्य परिषद को पेनल्टी लगाने का अधिकार ही नहीं है। आरोपियों को बचाने के लिए कार्रवाई के नाम पर हल्के फैसले लिए गए हैं। जानिए क्या है पूरे मामले में लेटेस्ट अपडेट।

पिछले महीने आउट हुए दो पेपर

बता दें एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर का 25 और 28 मई को होने वाला पेपर लीक हो गया था। शिकायत के बाद देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई थी। जिस पर भाजपा नेता अक्षय बम के आयडलिक कॉलेज के कम्प्यूटर ऑपरेटर और दो छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। कॉलेज प्रिंसिपल के रूम से कम्प्यूटर ऑपरेटर ने

ही पेपर लीक किया था। इसकी जांच के लिए यूनिवर्सिटी ने एक कमेटी बनाई थी, जिसमें रिटायर्ड जज (लोकपाल) और यूनिवर्सिटी के अधिकारी शामिल थे। जांच रिपोर्ट कार्य परिषद बैठक में रखी गई। कॉलेज पर 5 लाख की पेनल्टी लगाई। बैठक में उच्च शिक्षा आयुक्त निशांत वरवड़े भी मौजूद थे। कॉलेज की संबद्धता समाप्त करने की मांग उठी थी लेकिन उस पर निर्णय लेने के लिए एक अन्य जांच कमेटी बनाने की बात कुलपति ने कही।

ईसी को पेनल्टी का पावर नहीं, दोबारा एग्जाम का खर्च भी ज्यादा

आरजीपीवी के पूर्व कार्य परिषद सदस्य अजय चौरडिया का कहना है कि पहला तो ये कि कार्य परिषद को पेनल्टी लगाने का अधिकार ही नहीं है। किस आधार पर पेनल्टी लगाई। दूसरा 5 लाख की पेनल्टी लगाने के पीछे वजह क्या। इतना ही अमाउंट क्यों। अगर इसका जवाब एग्जाम खर्च है तो वो भी जस्टिफाई नहीं होता है, क्योंकि वापस एग्जाम कराने पर 15 से 20 लाख का खर्चा है। यूनिवर्सिटी तो फिर भी नुकसान में है। परीक्षा की गोपनीयता भंग करने वाली कॉलेज प्राचार्य को यूनिवर्सिटी ने कार्रवाई के दायरे में नहीं लिया है। एग्जाम पेपर पुलिस थाने में रखे जाने थे, जिन्हें प्रिंसिपल ने अपने रूम में रखा। सरकार शक के घेरे में है। दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। ये सब दिखावे की कार्रवाई है। बता दें पेपर लीक होने के बाद यूनिवर्सिटी को एमबीए प्रथम सेमेस्टर के दोनों विषयों की दोबारा परीक्षा करवानी पड़ रही है। 20 और 25 जून को पेपर रखे गए हैं। 13 हजार स्टूडेंट्स दोबारा एग्जाम देंगे।

इंदौर में फिर गैंगवार, गुंडे को घेरकर मार डाला-पुराने मुकदमे में समझौते के लिए दूसरी गैंग ने मिलने के बहाने बुलाया था

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम इलाके में गैंगवार की बात सामने आई है। जेल से छूटे गुंडे की दूसरी गैंग ने हत्या कर दी। 6 से ज्यादा आरोपियों ने मिलकर उसे मारा। बता दें कि 24 घंटे में हत्या का यह दूसरा मामला है। इससे पहले शनिवार रात भी छत्रीपुरा के अर्जुनपुरा मल्टी में युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया परिहार कॉलोनी का रहने वाला रोहित पिता जितेंद्र कसेरा कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा था। उसके खिलाफ नितिन उर्फ जॉन यादव के दोस्त पर हमला करने का आरोप था।

एरोड्रम थाने पर केस दर्ज है। जेल से छूटने के बाद रोहित ने फरियादी से समझौता का दबाव बनाया था। इस पर नितिन के दोस्त ने उसे रविवार रात बातचीत के लिए बुलाया। जैसे ही रोहित पहुंचा, वहां 6 से अधिक लोगों ने हथियारों से हमला कर दिया। घटनास्थल से रोहित को बेसुध हालत में अरविंदो हॉस्पिटल लाया गया, यहां मृत घोषित कर दिया गया। आरोपियों की तलाश की जा रही है। अब तक 4 के नाम सामने आए हैं, उसमें आरोपी नितिन यादव शामिल है। पुलिस ने बताया मृत रोहित भी क्रिमिनल पृष्ठभूमि का था। उसके खिलाफ भी 6 से ज्यादा केस दर्ज थे। उसकी हत्या नितिन यादव उर्फ जॉन निवासी भोलेनाथ कॉलोनी का नाम आया है। कुछ दिनों पहले नितिन के दोस्त और रोहित में विवाद हुआ

था। उसके बाद से दोनों ग्रुप में तनातनी थी। मामले में राजनीतिक संरक्षण की बात सामने आई है। रविवार रात रोहित की हत्या में छह से ज्यादा लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है, पुलिस अभी 4 बता रही है।

हनी ट्रेप में शामिल रह चुका है हत्या का आरोपी

रोहित हत्याकांड में शामिल आरोपी नितिन उर्फ जॉन पर पूर्व में हनी ट्रेप का केस भी दर्ज हो चुका है। उसमें एक बिल्डर को फंसाया गया था। इसी केस में एक युवती के सुसाइड में भी उसका नाम जुड़ चुका है। सुसाइड नोट में जॉन का नाम था। अब पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

गुंडे पकड़ाए तो दूसरी गैंग के बीच हथियार चलने लगे

इंदौर में सीएम मोहन यादव के आदेश के बाद शनिवार रात भी कॉम्बिंग गश्त हुई। 850 से ज्यादा स्टाफ ने छापामारी कर 461 बदमाशों को ट्रैक किया और इनमें से 393 के खिलाफ एक्शन लिया। बावजूद, 24 घंटे में दो हत्या कर दी गई हैं। रविवार रात की वारदात में तो सीधे-सीधे क्रिमिनल पृष्ठभूमि के लोगों में टकराव हुआ है।

गर्लफ्रेंड से बात को लेकर हुई थी युवक की हत्या

छत्रीपुरा के अर्जुन पुरा मल्टी में भी शनिवार रात शिवा जरेले की कृष्णा ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। दोनों दोस्त रोहित का बर्थडे बिल्डिंग की छत पर सेलिब्रेट कर रहे थे। इस दौरान आरोपी ने गर्लफ्रेंड से बात करने को लेकर उसके सीने में चाकू मार दिया था। शिवा को गंभीर हालत में एमवाय भेजा गया। यहां उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने कृष्णा को गिरफ्तार कर लिया था। इधर रात में उसके परिजनों ने इस हत्याकांड में चार आरोपियों को छोड़ने की बात पर थाने का घेराव किया था। अफसरों का कहना था कि इसमें एक ही आरोपी ने घटनाक्रम को अंजाम दिया था।उसके दोस्तों ने यह बात बयान में भी बताई ओर आरोपी कृष्णा ने भी यह बात कबूल की थी।

संपादकीय

दिल्ली : जलसंकट पर भी सियासत

देश की राजधानी दिल्ली में जारी भीषण जलसंकट पर सभी राजनीतिक दल सिर्फ सियासत कर रहे हैं, बजाए इसका हल करने के। सभी प्रमुख दल जलसंकट के लिए दिल्ली राज्य में सत्तारूढ़ आप सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं तो आप मोदी सरकार और पड़ोसी भाजपा शासित राज्यों को दोष दे रही है। इस आरोप प्रत्यारोप में आम दिल्लीवासी बूंद बूंद पानी को तरस रहे हैं। यह जलसंकट रविवार को हिंसक हो गया,जब सैकड़ों की संख्या में आए लोगों ने छतरपुर जल बोर्ड ऑफिस पर पथराव और तोड़फोड़ की। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। जो खबरें सामने आई हैं, उसके हिसाब से राजधानी क्षेत्र को छोड़ दिया जाए तो अमूमन दिल्ली के हर इलाके में जल संकट है। दिल्ली जल बोर्ड इस भीषण गर्मी में शहर को जितना पानी चाहिए, उसका इंतजाम नहीं कर पा रहा है। परिणामस्वरूप पानी के लिए दिल्लीवासी टैंकरों पर निर्भर हो गए हैं और टैंकर माफिया अपने ढंग से दिल्लीवासियों को लूट रहा है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि दिल्ली जलसंकट का मसला सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा है और आलातरीन अदालत ने भी इस मामले में हाथ टेक दिए हैं। इस बीच दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी मार्लेना ने प्रेस कांफ्रेंस कर आरोप लगाया कि दक्षिण दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी भाजपा के गुंडों को लेकर आए और जल बोर्ड के दफ्तर में तोड़फोड़ करवाई। क्या दिल्ली पुलिस इस मामले में कार्रवाई करेगी? दूसरी तरफ भाजपा ने भी दिल्ली की केजरीवाल सरकार के खिलाफ 14 जगह मटका फोड़ प्रदर्शन किया। भाजपा का कहना है कि जब तक दिल्ली से केजरीवाल सरकार को नहीं हटाया जाता, तब तक जल संकट हल नहीं होगा। बीजेपी का कहना है कि हरियाणा दिल्ली को पूरा पानी दे रहा है, लेकिन राज्य सरकार ने पानी की बर्बादी रोकने के लिए कुछ नहीं किया। केजरीवाल सरकार ने बीते 10 साल में दिल्ली जल बोर्ड को 600 करोड़ के प्रॉफिट से 73 हजार करोड़ के लॉस में ला दिया है। इस बीच सौ से अधिक अवैध कनेक्शन दिए गए। हैरानी की बात यह है कि लोकसभा चुनाव में आप के साथ गठबंधन में लड़ी कांग्रेस ने भी दिल्ली के पास अपना कोई जल स्त्रोत नहीं है। पानी के लिए यह पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक, इस साल दिल्ली 32.1 करोड़ गैलन प्रतिदिन पानी की कमी से जूझ रही है। दरअसल दो करोड़ से अधिक आबादी वाले दिल्ली शहर के पास अपना कोई जलस्त्रोत नहीं है। वह पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक, राज्य को रोजाना 129 करोड़ गैलन पानी की जरूरत है। हालांकि गर्मियों में केवल 96.9 करोड़ गैलन प्रतिदिन मांग ही पूरी हो पा रही है। यानी दिल्ली की 2.30 करोड़ आबादी को हर दिन 129 करोड़ गैलन पानी चाहिए, लेकिन उसे सिर्फ 96.9 करोड़ गैलन पानी ही मिल रहा है। 2023 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली को हर दिन यमुना से 38.9 करोड़ गैलन, गंगा नदी से 25.3 करोड़ गैलन और भाखरा-नांगल (रावी-व्यास नदी) से 22.1 करोड़ गैलन पानी मिलता था। लेकिन गर्मी में यह आपूर्ति काफी घट गई है। वास्तव मे इसके पीछे दिल्ली में छह माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। आप को कटघरे में खड़ा करके भाजपा और कांग्रेस इसमें अपना राजनीतिक फायदा देख रही हैं। यह क्षुद्र राजनीति वास्तव में आम लोगों के साथ विश्वासघात है। होना तो यह चाहिए था कि सभी राजनीतिक दल और सरकारें मिलकर दिल्ली के जलसंकट का हल खोजते। उल्टे मानसून में देरी के चलते दिल्लीवासियों को अभी और जलसंकट झेलना पड़ेगा, यह तय है।

नजरिया

बादल सरोज

लेखक लोकजतन के संपादक हैं।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस हारी नहीं, कांग्रेस लड़ी ही नहीं

4 जून को 18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजों के आने के बाद, इधर के हों या उधर के, सभी की जुबान पर एक ही सवाल है कि अरे, ये मध्यप्रदेश में क्या हो गया? सवाल स्वाभाविक है, कुछ छोटे राज्यों को छोड़कर देश में मध्यप्रदेश एकमात्र बड़ा राज्य है जहां की सारी की सारी सीटें भाजपा ने जीत लीं। यह तब हुआ जब पूरे देश में भाजपा की सीटें घटी हैं- उत्तरप्रदेश में तो आधी से कहीं ज्यादा कम हो गयीं, महाराष्ट्र में मुंह की खाई, कर्नाटक में अनेक सीटें गंवाई, बंगाल में खूब गिरावट आयी, बिहार में भी घाटा हुआ, यहाँ तक कि खुद मोदी शाह के गुजरात में जहां सूरत की सीट 'निर्विरोध जीत ली गयी' थी, उस गुजरात में भी भाजपा सभी की सभी सीट्स नहीं जीत पायी। फिर मध्यप्रदेश में क्या हुआ? लोग पूछते हैं कि मप्र में कांग्रेस क्यों हारी? असल में तो यह सवाल ही गलत है ; हार-जीत उसकी होती है जो लड़ता है, मध्यप्रदेश में कांग्रेस हारी नहीं है, मध्यप्रदेश में कांग्रेस चुनाव लड़ी ही नहीं है।

इतनी नेतृत्वविहीन कोई भी पार्टी शायद ही कभी रही हो जितनी इस चुनाव में मध्यप्रदेश की कांग्रेस थी। कोई दसेक दिन तक भाजपा के दरवाजे पर खड़े होकर, मनपसंद सौदेबाजी न होने पर लौट के वापस घर को आये पूर्व मुख्यमंत्री, हाल तक इसके प्रदेशाध्यक्ष रहे कमलनाथ अपनी जो भी थोड़ी बहुत बची हुई रही होगी उस साख को गँवा चुके थे। वे इतने हास्यास्पद और अविश्वसनीय हो गए थे कि छिंदवाड़ा तक ने दरवाजा दिखा दिया। उनके वारिस नकुल नाथ अपने ट्विटर के परिचय में से कांग्रेस पहले ही निकाल चुके थे, इस बार छिंदवाड़ा ने उनके बायो में से सांसद हटा दिया। अपनी कर्मण्यता का नमूना वे अपने 16 महीने के मुख्यमंत्री काल में दे ही चुके थे। इस दौरान उन्होंने उस भाजपाई भ्रष्टाचार के खिलाफ कलम तक नहीं उठाई थी, जिस भ्रष्टाचार की वजह से शिवराज सरकार गयी थी और वे सरकार में आये थे। दूसरे बड़े नेता दिग्विजय सिंह खुद चुनाव लड़ रहे थे और अपनी ही सीट में उलझे थे। इन दोनों की कांग्रेस के जितने भी खासमखास थे वे गणेश परिक्रमा करने के लिए अपने इलाकों को सूना छोड़कर इनकी सीटों पर हाजिर थे। अब बचे जुम्मा जुम्मा चार रोज पहले नियुक्त किये गए नए 'युवा' अध्यक्ष जी- वे इतने ताजे थे कि उन्हें इंदौर के बाहर भी कोई मध्यप्रदेश है यही समझने के लिए जो कमसेकम समय चाहिए था, वह भी नहीं मिल पाया था। विजयराघवगढ़ और विजयपुर, शिवपुरी और श्योपुर, गोपद बनास और गोहद उनके लिए नाम तक नए थे, उनके मार्ग और उनमे बसने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं के धाम जानने की तो बात ही अलग है।

इन तीनों को घटा देने के बाद अब बाकी बचे वे शेष जिन्हें पंजे की टिकिट पकड़ाकर मैदान में उतार दिया गया था। एक दो अपवादों को छोड़कर बाकी सब बेचारे टिकटधारी जितने बुझे मन और लिजलिजे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ रहे थे, उससे कहीं ज्यादा संकल्पबद्धता, तन मन यहाँ तक कि धन के साथ उनके क्षेत्र के कांग्रेसी लगे थे; उन्हें जिताने के लिए नहीं, उनकी यानि अपनी ही पार्टी के प्रत्याशियों की हार पक्की करने के लिए जी जान से काम कर रहे थे। इतनी भीषण गर्मी में भी वे इतने प्राणपण से जुटे थे, इतनी उदारता से खर्च कर रहे थे कि उनकी धुन और लगन को देख जीतने वाली पार्टी के कार्यकर्ता भी शर्मसार हो जाते थे । यह तब था जब सामने शकुनि अपने पांसे लिए बैठा था, कंस इस बार पूरी तैयारी में था और रावण रथी विरथ रघुवीरा की चौपाई का अखंड पाठ चहुँओर गुंजायमान था।

एक तबके को यह भ्रम था कि इनके भीतरघात से होने वाले नुकसान की पूर्ति सामने वाली पार्टी में मची रार और असंतोष से हो जायेगी। ऐसा सोचने वाले भूल गए कि सामने वाली पार्टी के संतुष्ट असंतुष्ट दोनों ही सत्ता की मलाई के अभिषेक और चाशनी से परमतुष्ट हैं - वे उसमें खलल डालने की हद तक नहीं जायेंगे।

रही सही कसर भाजपा के 'ऑपरेशन हाथ-कमल का साथ' ने पूरी कर दी । हड़प्पाकालीन कांग्रेसियों से लेकर कभी कांग्रेस में नहीं रहे कांग्रेसियों तक के इस्तीफे दिलाने और उन्हें हस्तगत कर कमलबद्ध करने की मोदी शाह की राष्ट्रीय परियोजना मध्यप्रदेश में कुछ ज्यादा ही सघनता के साथ चली। यहाँ भाजपा ने बाकायदा एक प्रकोष्ठ बनाकर पुलिस, आई बी, रेवेन्यू जैसे महकमों के अफसरों को उनके हवाले कर दिया- आईटी, ईडी, सीबीआई पहले से ही थी। फाइलें ढूंढी तलाशी गयी, उनकी गुलेल बनाकर कुछ पके, कुछ अधपके, कुछ निढाल, कुछ थके आम टपका कर उन्हें मीडिया में कलमी और दशहरी आम बताकर मशहूर किया गया । इसी के साथ पहले खजुराहो किया गया, उसके बाद इंदौर किया ; यह एक मनोवैज्ञानिक युद्ध था । कतारों में निराशा और मतदाताओं में 'खाओ तो कद्दू न खाओ तो कद्दू' की निर्विकल्पता का माहौल बनाना मुख्य मकसद था- जो पूरा भी हुआ। कोई भी पार्टी इसका मुकाबला थोड़ी सी आक्रामकता बढ़ाकर, सत्ता के इस घोर असंवैधानिक दुरुपयोग के खिलाफ हल्ला मचाकर और इसके खिलाफ सडकों पर आकर कर सकती थी। मगर सडकों पर आना तो यह पार्टी कब की भूल चुकी है, पिछली 20 सालों में कभी नहीं आयी। व्यापम हुआ, नहीं आई । मंदसौर हुआ, राहुल गाँधी वहां पहुँच गए मगर बाकी मध्यप्रदेश में किसी कांग्रेसी के कुर्ते पाजामे की कड़क क्रीज तक नहीं टूटी। महंगाई, मंडियों में लूट, भ्रष्टाचार, जनता में हाहाकार होता रहा - कांग्रेसियों की नींद नहीं टूटी। चलिए, इन सब पर नहीं टूटी कम से कम खुद की पार्टी के टूटने बिखरने पर टूटनी चाहिए थी, मगर टूटे तो तब जब पार्टी का कोई ढांचा, कोई संगठन बचा हो। किसी तरह की सामूहिकता, समन्वय और नए सुझावों को सुनने का धैर्य धीरज बचा हो।

कहने की जरूरत नहीं किन्तु कहना जरूरी है कि चुनाव एक राजनीतिक कार्यवाही होती है और राजनीति का एक वैचारिक आधार होता है । राष्ट्रीय मुद्दों पर एक नजरिया होता है, स्थानीय समस्याओं के बारे में समझदारी होती है और उनके हल, निराकरण के लिए लड़ने, जूझने वाले अवाम के साथ मैदानी साझेदारी होती है। मध्यप्रदेश की कांग्रेस इन सबसे अलग थी, अलग मतलब निस्पृह या स्थितप्रज्ञ नहीं, पूरी तरह भ्रमित और अपने ही सरोकारों से विलग, वह कांग्रेस थी भी, नहीं भी थी । इसका एक हिस्सा और नेताओं का ज्यादातर हिस्सा राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के भाजपाई आयोजन- जिसे बाद में अयोध्या तक की जनता ने ठुकरा दिया - के प्रति अपने राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा अपनाए गए रुख से ही सहमत नहीं था। राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह के साम्प्रदायिकता विरोधी बयान भाजपाइयों से ज्यादा इन कांग्रेसियों को नागवार गुजरा करते थे। जिन्हें कार्यकर्ताओं के दिमागों में भरे गए इस कुहासे को दूर करना था वे नेता खुद इस तरह के मुद्दों से दूरी बनाकर झेंपे झेंपे घूमते पाए जाते थे। व्यक्तिगत बातचीतों में अपनी दुर्गत के लिए राहुल और दिग्विजय को कोसते थे। उधर उनका राष्ट्रीय नेतृत्व अडानी अम्बानी की लूट और चोरी को मुद्दा बनाए हुए था, इधर स्वयं को अंबानी का सगा दोस्त बताने वाले कमलनाथ अडानी से नजदीकियां बनाने में मशगूल थे। नेतृत्व के अलग अलग स्तर पर कुरते पजामे के नीचे खाकी नेकर धारण करने वालों की मध्यप्रदेश कांग्रेस में कोई कमी नहीं है - कहावत में कहें तो स्थिति 'बुआ पहले से ही रुआंसी बैठी थी। ऊपर से भैया आ गया' जैसी थी।

इतने सबके बावजूद पूरे देश में जो भाजपा विरोधी माहौल था उसे प्रदेश में भी उभारा जा सकता। अनेक दलों के समन्वय इंडिया ब्लाक की एकता से अवाम के बड़े हिस्से में आश्वस्ति पैदा हुयी थी। डर टूटा था। यही प्रयोग मध्यप्रदेश में भी किया जा सकता था। ऊपर से मल्लिकार्जुन खरगे और प्रदेश से भी एक दो नेताओं के कहने सुझाने और भोपाल के बौद्धिक जगत द्वारा बार बार टोके जाने के बाद भी इंडिया ब्लॉक की मीटिंग तक नहीं हुयी। सीटों के तालमेल के बारे में तो सोचा तक नहीं गया। समाजवादी पार्टी- जिसके खिलाफ कमलनाथ निहायत ही अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर चुके थे- के लिए खजुराहो की सीट भी राष्ट्रीय स्तर पर बनी सहमति और समझदारी के आधार पर छोड़ी गयी थी। यह बात अलग है कि भाजपा ने उसे मैनेज कर लिया। चुनाव शुरू हो जाने के बाद कहीं जाकर, सो भी इंडिया समूह की जो पार्टियां स्वयं चुनाव नहीं लड़ रही थीं उनके द्वारा दवाब बनाए जाने के बाद एक साझी बैठक हुई - मगर उसमें भी जो तय हुआ था उसे एक प्रेस कांफ्रेंस के बाद शाम होने से पहले ही भुला दिया गया। दिग्भ्रमित कांग्रेस यह ज़रा सी बात नहीं समझ पाई कि अलग अलग रहने पर जो पार्टियां छोटी या बहुत छोटी नजर आती हैं, जब वे इकट्ठा होती हैं तो उनकी प्रभावशीलता चमत्कारिक रूप से बढ़ जाती है। इस नासमझी का नतीजा यह हुआ कि जिन दलों और उनके इमान्दाए छवि और साख वाले नेताओं से जो मदद ली जा सकती थी, कुछ काम लिया जा सकता था वह भी नहीं लिया गया। जो पार्टी खुद अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को काम नहीं दे पा रही थी वह भला दूसरों को क्या बताती। इस तरह पूरे मनोयोग के साथ कांग्रेस ने मैदान छोड़ने का संकल्प लिया और पूरे चुनाव में, पूरी निष्ठा के साथ उसका निबाह किया।

इन पंक्तियों के लेखक से एक बार कांग्रेस के एक काफी वरिष्ठ नेता ने कहा था कि 'हमें, कांग्रेस को, विरोधियों की दरकार नहीं है, खुद को हराने का काम हम खुद ही पूरी शिद्दत और मनोयोग से कर सकते हैं।' मध्यप्रदेश में यही हुआ; एक अच्छे मेजबान की तरह कांग्रेस ने खुद ही सारी सीटों को थाली पर परोस कर भाजपा को दे दिया गया।

डेक्कन - डायरी

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एनसीईआरटी की पुस्तकों में बदलाव

पाठ्य पुस्तकों में सामने आता भारत बोध

राष्ट्रीय शैक्षिक एवं अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) की पुस्तकों में पढ़ाए जाने वाले पाठों में बदलाव की शुरूआत साकारात्मक नजरिए से शुरू हो गई है। अब 12वीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की किताब में से बाबरी मस्जिद, हिंदुत्व की राजनीति 2002, गुजरात दंगों से जुड़े पाठ को हटा दिया है। इसकी जगह 'राम जन्मभूमि आंदोलन की विरासत क्या है' इस पाठ को जोड़ा गया है। इससे पहले इतिहास की पुस्तकों में राखीगढ़ी और आर्यों के मूल स्थान से जुड़े पाठ जोड़े गए है। इन परिवर्तनों को लेकर राजग सरकार पर पाठ्यक्रम में कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने शिक्षा में भगवाकरण के आरोप लगाए है। इस सिलसिले में एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश सकलानी का कहना है कि पढ़ाई का उद्देश्य हिंसक नागरिक बनाना नहीं है। हमें छात्रों को दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए। वैसे भी पाठ्यपुस्तकों में बदलाव एक वैश्विक प्रथा है, जो शिक्षा के हित में है। विद्यार्थियों को इतिहास में हुई हिंसक और बर्बरतापूर्ण घटनाओं के बारे में पढ़ाना जरूरी नहीं है, इसलिए साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर कई अहम बदलाव किए गए है। सकलानी ने इशारों में कहा है कि जब 1984 के दंगों से जुड़े पाठों को हटाया गया था, तब उस पर इतना हंगामा नहीं हुआ था। जाहिर है, विभिन्न विषयों के पाठों में हो रहे बदलाव से छात्र अब भारत बोध की गरिमा से गौरवान्वित होंगे।

एनसीईआरटी की पुस्तकों में वाकई सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। इसके पहले भारतीय ज्ञान प्रणाली के संदर्भ में महरौली के लौहे स्तंभ के बारे में भी बताया गया है। भारतीय दुनिया में धातु विज्ञान से जुड़े अनुसंधानों के मामले में बहुत आगे थे। ऋग्वेद में लौहे के आविष्कार के बारे में बताया गया है। इसी क्रम में सोना, तांबा और कांसा धातुओं के आविष्कार किए गए। अतएव ऐसे पाठों को जोड़ना भारतीय विज्ञान की विरासत को छात्रों के सामने लाना है। इसी क्रम में भारत के इतिहास में आर्य अब आक्रमणकारी नहीं, बल्कि भारतीय मूल के रूप में दर्शाए गए हैं। 21 वर्ष की खींचतान और दुनियाभर में हुए अध्ययनों के बाद आखिरकार यह तय हो गया कि 'आर्य सभ्यता' भारतीय ही थी। राखीगढ़ी के उत्खनन से निकले इस सच को देश के पाठ्यक्रमों में शामिल करने का श्रेय 'राखीगढ़ी मैन' के नाम से प्रसिद्ध हुए प्राध्यापक वसंत शिंदे को जाता है। एनसीईआरटी की कक्षा 12वीं की किताब में बदलाव किया गया है। इसमें इतिहास की पाठ्य पुस्तक में 'ईंट, मोती और हड्डियां: हड़प्पा सभ्यता' नामक पाठ में आर्यों को मूल भारतीय होना बताया है। इसके अलावा कक्षा 7, 8, 10 और 11 के इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रमों में भी बदलाव किया गया है।

इतिहास तथ्य और घटना के सत्य पर आधारित होता है। इसलिए इसकी साहित्य की तरह व्याख्या संभव, नहीं है। विचारधारा के चश्मे से इतिहास को देखना उसके मूल से खिलवाड़ है। परंतु अब आर्यों के भारतीय होने के संबंधी एक के बाद एक शोध आने के बाद इतिहास बदला जाने लगा है। इस सिलसिले में पहला शोध स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के टॉमस कीवीशील्ड ने किया था। 2003 में 'अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स' में प्रकाशित इस शोध-पत्र में सबसे पुरानी जाति और जनजाति के वंशाणु (जीन) के आधार पर आर्यों के भारत का मूल निवासी बताया गया था। हालांकि वर्ष 2009 में वाराणसी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो लालजी सिंह और प्रो थंगराज ने भी आनुवांशिक परीक्षण के बाद आर्यों को मूल भारतीय बताया था। 2019 में प्रो वसंत शिंदे द्वारा राखीगढ़ी उत्खनन से मिले 4000 साल पुराने वंशाणु की जांच में सबसे बड़ा सच सामने आया। शोध में पाया गया कि राखीगढ़ी से मिला जीन वर्तमान के प्रत्येक भारतीय व्यक्ति में उपलब्ध हैं। इसके आधार पर यह तथ्य स्थापित हुआ कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति आर्यों द्वारा निर्मित है। एनसीआरईटी के इतिहास पाठ्यक्रम निर्धारण समिति के अध्यक्ष बनने पर प्रो शिंदे ने इस तथ्य के आधार पर पाठ्यक्रम में संशोधन कराए हैं। इसी पुस्तक में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी के नाम के साथ छत्रपति और महाराज जोड़ा गया है। इसी तरह कक्षा 12वीं के समाजशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम से सांप्रदायिक दंगों के चित्र हटाए गए है। इतिहास पुस्तकों में यह बदलाव सिनौली-राखीगढ़ी में हुए उत्खननों में मिले साक्ष्यों के आधार पर संभव हुआ है।

गोया, अब यह अवधारणा पलट गई है कि आर्य न तो विदेशी थे और न ही उन्होंने कभी भारत पर आक्रमण किया। अतएव आर्य भारत के मूल निवासी थे। हरियाणा के हिसार जिले के राखीगढ़ी में की गई पुरातत्वीय खुदाई में 5000 साल पुराने मिले दो मानव कंकालों के डीएनए अध्ययन के निष्कर्ष से यह धारणा सामने आई है। इन कंकालों में एक पुरुश और एक स्त्री का था। इनके कई नमूने लेकर उनका आनुवांशिक अध्ययन पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, भारत सरकार, डेक्कन विश्व-विद्यालय पुणे, सीसीएमबी हैदराबाद और हार्वड स्कूल ऑफ मेडिसन बोस्टन यूएसए ने किया है। इस डीएनए विश्लेषण में यह भी स्पष्ट हो गया है कि आर्य और द्रविड़ मूल भातीय हैं। राखीगढ़ी हड़प्पा सभ्यता के सबसे बड़े केंद्रों में से एक है। करीब 300 एकड़ में फैले इस क्षेत्र में पुरातत्वविदों ने 2015 में उत्खनन किया था।

आर्य हमलावर के रूप में विदेश से आए होते और नरसंहार किया होता तो मानव कंकालों के शरीर पर घावों के निशान होते। भारतीय संस्कृति और भाषाएं नष्ट हो गई होतीं। ऐसा होता तो आक्रमण की बात सिद्ध होती। व्यापार व पर्यटन आदि के लिए भारत में विदेशी समय-समय पर आते रहे हैं और भारतीय भी विदेश जाते रहे हैं। इन कारणों से जीन में मिलावट होती रही हैं। साफ है, आर्य भारत के ही थे। प्रोफेसर शिंदे ने राखीगढ़ी के उत्खनन के समय बताया था कि अलग-अलग खुदाई में 106 से भी ज्यादा नर-कंकाल मिले हैं। साथ ही भिन्न आकार व आकृति के हवन-कुंड और कोयले के अवशेष मिले हैं। तय है भारत में 5000 साल पहले हवन होते थे। यहीं सरस्वती और इसकी सहायक दृश्यवंती नदी के किनारे हड़प्पा सभ्यता के निशान मिले हैं। ये लोग सरस्वती की पूजा करते थे।

आनुवांशिक संरचना के आधार पर हैदराबाद की संस्था 'सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी' के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध से जो निष्कर्ष सामने आए थे, उनसे स्पष्ट हुआ था कि मूल भारतीय ही 'आर्य' थे। इस शोध का आधार भारतीयों की कोशिकाओं का आनुवंशिक ढांचा है, जिसका सिलसिलेबार अध्ययन किया गया। जिससे तय हुआ कि भारतीयों की कोशिकाओं का संरचनात्मक ढांचा पांच हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। इस आधार पर यह कहानी एकदम निराधार साबित हो जाती है कि भारत के लोग 3.5 हजार साल पहले किसी दूसरे देश से आक्रमणकारियों के रूप में यहां आए थे। यदि आए होते तो हमारा आनुवंशिक ढांचा भी 3.5 हजार साल से ज्यादा पुराना नहीं होता। क्योंकि जब वातावरण बदलता है तो आनुवंशिक ढांचा भी बदल जाता है। इस तथ्य को इस मिसाल से समझा जा सकता है, मसलन हमारे बीच से कोई व्यक्ति आज अमेरिका या ब्रिटेन जाकर रहने लग जाए तो उसकी जो चैथी-पांचवीं पीढ़ी होगी, उसकी सवा-डेढ़ सौ साल बाद आनुवांशिक संरचना अमेरिका या ब्रिटेन निवासियों जैसी होने लग जाएगी। क्योंकि इन देशों के वातावरण का असर उसकी आनुवांशिक संरचना पर पड़ेगा।

भारतीय संस्कृति के निर्माता और वेदों के रचियता आर्य भारत के मूल निवासी थे। यदि प्राचीन भारतीय इतिहास को भारतीय दृष्टि से देखें तो आर्य भारत के ही मूल निवासी थे। पाश्चात्य इतिहास लेखकों ने पौने दो सौ साल पहले जब प्राच्य विषयों और प्राच्य विद्याओं का अध्ययन शुरु किया तो बड़ी कुटिल चतुराई से जर्मन विद्वान व इतिहासविद् मैक्समूलर ने पहली बार 'आर्य' शब्द को जाति सूचक शब्द से जोड़ दिया। वेदों का संस्कृत से जर्मनी में अनुवाद भी पहली बार मैक्समूलर ने ही किया था। ऐसा इसलिए किया गया जिससे आर्यों को अभारतीय घोषित किया जा सके। जबकि वैदिक युग में 'आर्य' और 'दस्यु' शब्द पूरे मानवीय चरित्र को दो भागों में बांटते थे। प्राचीन साहित्य में भारतीय नारी अपने पति को 'आर्य-पुरुष' अथवा 'आर्य-पुत्र' नाम से संबोधित करती थी। इससे यह साबित होता है कि आर्य श्रेष्ठ पुरुषों का संकेत-सूचक शब्द था। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, पुराण व अन्य संस्कृत ग्रंथों में कहीं भी आर्य शब्द का प्रयोग जातिसूचक शब्द के रूप में नहीं हुआ है। आर्य का अर्थ 'श्रेष्ठि' अथवा 'श्रेष्ठ' भी है। वैदिक युग में तो वैसे भी जाति व्यवस्था थी ही नहीं। हां, वर्ण व्यवस्था जरूर अस्तित्व में आ गई थी। इसके अलावा वेद तथा अन्य संस्कृत साहित्य में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि आर्य भारत में बाहर से आए। यदि आर्य भारत में बाहर से आए होते तो प्राचीन विपुल संस्कृत साहित्य में अवश्य इस घटना का उल्लेख व स्पष्टीकरण होता।

दृष्टिकोण

संदीप कुलश्रेष्ठ

सालभर चलाया जाए नमामि गंगे अभियान

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर 5 से 15 जून तक नमामि गंगे अभियान चलाया गया। इस अभियान में उज्जैन शहर के 12 तालाब और 13 प्राचीन बावड़ियों को शामिल किया गया। इसमें उनका रखरखाव, संरक्षण और गहरीकरण और स्वच्छता अभियान पर धान दिया गया। किन्तु मात्र 11 दिनों के अभियान से कुछ विशेष होने वाला नहीं है। इसके लिए पूरे सालभर अभियान चलाने की आवश्यकता है।

12 तालाब और 13 बावड़ियों में किया गया काम – नमामि गंगे अभियान के अन्तर्गत उज्जैन शहर के सप्तसागरों के साथ ही कमल तलाब, हीरामिल का तालाब, इंजीनियरिंग कॉलेज का तालाब, विक्रम सरोवर और पुलिस लाईन स्थित तालाब को शामिल किया गया था। इसके साथ ही 13 प्राचीन बावड़ियों को भी अभियान के अन्तर्गत लिया गया था। इस अभियान के अन्तर्गत श्रमदान और स्वच्छता अभियान को प्रमुख रूप से शामिल किया गया था। उक्त 11 दिन में वास्तव में क्या काम हुआ ? यह तो बाद में पता चलेगा।

सप्तसागरों का किया जाए सीमांकन– उज्जैन में सप्तसागर अत्यन्त प्राचीन और लोगों की आस्था के केन्द्र है। नगर निगम उज्जैन के पूर्व अध्यक्ष श्री सोनू गेहलोत के प्रयासों से सप्तसागरों में कुछ सागरों में अच्छा काम किया गया है, जो सराहनीय है। किन्तु सप्तसागरों में से कई तालाब ऐसे हैं, जो अत्यन्त ही अतिक्रमण से ग्रसित है। एक तालाब तो केवल बावड़ी के रूप में बचा है। उसके चारों ओर अतिक्रमण हो गए हैं। इसलिए आवश्यकता यह है कि पौराणिक महत्व के इन समस्त 7 तालाबों का सबसे पहले पुरानी अभिलेख देखकर सीमांकन किया जाए। सीमांकन में आने जाने वाले अतिक्रमण को सख्ती से हटाया जाए और सभी सप्तसागरों की बाउंड्रीवॉल बनाए जाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही सप्तसागरों का गहरीकरण और सौन्दर्यीकरण भी किए जाने की जरूरत है। सप्तसागरों के साथ ही अनेक प्राचीन तालाबों का भी गहरीकरण और सौन्दर्यीकरण किये जाने की आवश्यकता है।

प्राचीन बावड़ियों की हो मरम्मत – उज्जैन में 13 प्राचीन बावड़ियाँ हैं। सबका अपना-अपना विशिष्ट महत्व है। इसलिए प्रत्येक बावड़ी की मरम्मत, गहरीकरण, साफ-सफाई, सौन्दर्यीकरण, सीमांकन और बाउंड्रीवॉल बनाए जाने की आवश्यकता है। इससे सभी प्राचीन बावड़ियाँ सुरक्षित हो सकेगी और आगे आने वाली पीढ़ी इसे देख सकेगी। यह भावी पीढ़ियों के लिए विरासत है।

पूरे सालभर चले अभियान – नमामि गंगे अभियान मात्र 11 दिन चला। यह पर्याप्त नहीं है। इसमें बस औपचारिकता की ही पूर्ति की जा सकती है। कोई ठोस काम नहीं किया जा सकता। इसके लिए जरूरी है कि इस अभियान की सालभर की अच्छी तरह से पहले कार्ययोजना बनाई जाए और सालभर के अंदर उसे ठोस अंजाम दिया जाए, तभी यह सार्थक सिद्ध होगा अन्यथा औपचारिकता ही कही जायेगी।

व्यंग्य

प्रभात गोस्वामी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आदमी का बाजारीकरण !

वह आम आदमी है पर उसे अब आदमी के आगे आम लगाने से सख्त परहेज है। एक तो रासायनिक प्रक्रिया से पकाने की वजह से आम अपनी प्रतिष्ठा खो चुका है,दूसरे उसकी बाजार वैल्यू भी कम हो गई है। मौसम उतार पर है, फिर भी आम की मुंह फाड़ बिक्री नहीं हो पा रही । लिहाजा उसने ने यह घोषणा कर है कि उसे अब से आम आदमी नहीं सिर्फ आदमी ही कहा जाए ।

पर हमने सोचा कि अब आदमी की वैल्यू भी कहाँ है? हर कोई कहता है आदमी है या घनचक्कर! लेकिन उसे सुकून इस बात है कि बाज़ार ने उसकी क़ीमत समझी है। बाज़ार आदमी को अपने आगोश में बड़े प्यार से जकड़ कर रखता है। यूं भी कह सकते हैं कि उसे बाज़ार के आगोश में लिपटने में बड़ा मज़ा आता है ।वह मदारी की तरह से सस्ते-महंगे दामों,कई प्रकार की छूटों,नए -नए ऑफर्स की डमरू बजाता है और आदमी नाचते हुए उसकी लय में अपनी शान देख रहा है।

वाकई आदमी को ऊपर से नीचे तक देखो तो वह आदमी कम बाज़ार अधिक नज़र आता है! बाज़ार के मोलभाव का आदमी के जीवन में इतना गहरा असर पड़ा है कि वह घर-परिवार में रिश्तों के मोलभाव करने लगा है। माँ-बाप को किस्तों में रखने लगा है। किस्त खत्म हुई और बाहर का रास्ता दिखाने लगता है। घर ही नहीं, वह प्यार, राजनीति,सेवा सहित हर जगह मोलभाव कर रहा है। अब तो बाज़ार शहर,कस्बों से घर तक भी पहुँच गया है। देर रात घर के बाहर घंटी बजाकर घर क बाहर मुस्करा रहा है।

बदलते हालत में मेरा कल उस आदमी से साबका पड़ा। उसकी दुर्लभता के बावजूद उससे मिलने किसी संग्रहालय में नहीं जाना पड़ा,यही एक संतुष्टि रही। हमने दुआ-सलाम कर उससे बातों का सिलसिला आगे बढ़ाया।

'आदमी तुम्हारे बाल बढ़ती महंगाई,चिंताओं के बावजूद इतने काले कैसे हैं ? झड़ने के लक्षण भी नहीं दिखाई देते ?'

'यार यह प्रकृति नहीं अमला छाप खिजाब और छछूंदर के लाल तेल का कमाल है। लाल तेल में भी लाल डायरी जैसे रहस्य छिपे हुए हैं।' कहते हुए उसने जोर से ठहाका लगाया।

'वाह, दांत भी हिमालय जैसे सफेद झक्क और पूरी बुलंदी के साथ खड़े हैं?' हमने पूछा।

' मालिक यह भूत्रऋषि दातून की देन है,बीस प्रतिशत अधिक मिल रहा है ,पर दाम उतने ही हैं। यह दांत भी, दंत चिकित्सक काकमाल है!' उसने रहस्य से पर्दा उठाया।

'चेहरे का नूर ,वाह क्या कहने! इस उम्र में इतनी चमक,गजब।' हमने उसे झाड़ पर चढ़ाया।

' भाई, यह डायमंड क्रीम की कृपा है। (मन में बुदबुदाते हुए -चेहरे की परतों के नीचे तो वही पतझड़ है)।' आदमी ने अपने दर्द को छुपाकर, झाड़ से नीचे उतरते हुए जवाब दिया ।

' ऐसा! भाई ये शर्ट कमाल की है और जीन्स भी बेजोड़ है।' शर्ट और उससे नीचे नज़रें टिकाते हुए मेरा अगला सवाल था।

' डूडे , ये विदेशी ब्रांड है। यहाँ चिथड़े-चिथड़े पहनने वाले गरीब माने जाते थे पर अब असली अमीर हैं।' उसने गर्व से सर उठाते हुए उवाचा । मैं अगला सवाल पूछता इससे पहले उसने जूतों का जिक्र भी कर दिया कि साटा ब्रांड है। और अंदर की बात भी बताई कि बड़ी कोज़ी है।

'वाह, आपसे मिलकर खुशी हुई । इससे पहले कि मैं उसका नाम पूछता ,वह आगे निकल लिया। कुछ देर से ही सही,मेरी ट्यूब लाइट जली। मुझे समझ आ गया, वह अब आदमी नहीं एक अदद बाज़ार है! उसके कई नाम हैं। आपको जो नाम सबसे अधिक पसंद आए ,उसी नाम से पुकारिए । बाज़ार हाज़िर हो जाएगा। जातिकरण के इस दौर में आदमी का बाज़रीकरण भी हो गया है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

रायबरेली के छात्र ने यूरिन से शुगर जांचने वाली स्ट्रिप डेवलप की

● यह नया शोध उन लोगों के लिए वरदान साबित होगा जो रक्त परीक्षण से डरते हैं ● यूरिन आधारित टेस्ट स्ट्रिप से ग्लूकोज मॉनिटरिंग अधिक सुलभ होगी ● दौलतपुर गांव के रहने वाले विभव शुक्ल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी रायपुर से कर रहे हैं शोध

रायबरेली। शरीर में शुगर की जांच के लिए अब ब्लड सैंपल निकालना जरूरी नहीं होगा। शुगर लेवल की जांच यूरिन (पेशाब) से भी की जा सकेगी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर में जनपद के शोध छात्र विभव शुक्ला ने ब्लड की जगह यूरिन से शुगर मापने वाल टेस्ट स्ट्रिप विकसित की है। उनका यह नया शोध उन लोगों के लिए वरदान साबित होगा जो रक्त परीक्षण से डरते हैं।

यह नवाचार ग्लूकोज मॉनिटरिंग को बदलने का वादा करता है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो डरते हैं। संस्थान के केमिस्ट्री डिपार्टमेंट में एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर कफील अहमद सिद्दिकी के निर्देशन में शोध कर रहे पीएचडी छात्र विभव शुक्ल सरेनी क्षेत्र के दौलतपुर गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता विनय कुमार शुक्ल हरिवंश लाल शुक्ल इंटर कॉलेज ऊँचगॉव-उन्नाव में प्रधानाचार्य के रूप में कार्य का कार्यरत हैं। विभव ने बताया कि पारंपरिक रूप से ग्लूकोज स्तर को डायबिटीज जैसी स्थितियों की निगरानी के लिए रक्त नमूनों का उपयोग करके मापा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में, रक्त परीक्षण से डर और गलत फहमियों के कारण बचते हैं। वे मानते हैं कि एक बूंद खून बनने में एक साल लगता है।

शुगर लेवल जांचने के लिए विभव नए शोध पर काम कर रहे थे। उनका लक्ष्य ऐसी टेस्ट स्ट्रिप्स बनाना था जो सस्ती और आसानी से उपलब्ध हो। जैसे, गर्भावस्था परीक्षण स्ट्रिप्स। उनका उद्देश्य यह है कि आम लोग अपने घर में बिना किसी इंजेक्शन या रक्त के अपने शुगर स्तर की सही जांच यूरिन के माध्यम से कर सकें। उनका कहना है कि शोध में ऐसी टेस्ट स्ट्रिप्स का विकास हुआ जो इन ग्लूकोज सांद्रताओं पर एक विशिष्ट रंग परिवर्तन दिखाती हैं। उनका कहना है कि यूरिन-आधारित टेस्ट स्ट्रिप से ग्लूकोज मॉनिटरिंग अधिक सुलभ और कम डरावनी हो जाएगी।

विभव शुक्ल ने बताया कि उनका यह शोध प्रसिद्ध जर्नल 'मटेरियल्स टुडे केमिस्ट्री' में प्रकाशित भी हुआ है। विभव का यह शोध ग्लूकोज डिटेक्शन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया भर में उच्च शुगर स्तर से प्रभावित लाखों लोगों के साथ, यह नवाचार डायबिटीज प्रबंधन और समग्र स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए अपार संभावनाएं रखता है।

शोध में ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क का उपयोग

विभव शुक्ल ने अपने अनुसंधान में आयरन डोप्ड जिंक-बेस्ड मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क का उपयोग किया, जिसमें उन्होंने क्रिएटिनिन, क्रिएटिन, यूरिया, ग्लूकोज आदि सहित यूरिन के विभिन्न घटकों का परीक्षण किया। उन्होंने पाया कि आयरन डोप्ड जिंक-बेस्ड मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क जब ग्लूकोज के संपर्क में आता है, तो यूवी लाइट के तहत हरा रंग प्रदर्शित करता है, जबकि अन्य घटक कोई अलग रंग नहीं दिखाते। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के अनुसार, 2019 में लगभग 463 मिलियन वयस्क डायबिटीज से पीड़ित थे। वर्ष 2045 तक यह संख्या 700 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है।

गांव में ही हुई विभव की प्रारंभिक शिक्षा

गंगा किनारे बसे दौलतपुर में जन्मे विभव ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही प्राप्त की। सरस्वती विद्या मंदिर, उंचगाँव, उन्नाव से कक्षा 12 की पढ़ाई के बाद फिरोज गांधी कॉलेज से बी.एससी. और डीएवी कॉलेज-कानपुर से एमएससी की डिग्री प्राप्त की। 2019 में उन्होंने रसायन विज्ञान विषय में CSIR, NET/JRF परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 52 हासिल की और साथ ही GATE परीक्षा भी पास की। वर्तमान में, विभव शुक्ला नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रायपुर में पीएचडी कर रहे हैं।

हल्दीघाटी का योद्धा रामशाह तंवर

हल्दीघाटी के इस युद्ध में स्वदेश रक्षकों की बलिदानी में एक बलिदान जो कि अपने पूरे परिवार और स्वजनों के साथ इस युद्ध में मुगलों को पस्त करने में सक्षम रहा और जिसने अपने पूर्वज के नाम को बुलंद करने का कार्य किया, इतिहास उन्हें ग्वालियर के विक्रमादित्य पुत्र रामशाह तंवर के नाम से याद करता है। रामशाह तंवर ने इस युद्ध में अपनी अतिथि के मर्यादा और मित्रता के ऋण को चुकाने के लिए जो संघर्ष किया उस मित्रता और स्वदेशी रक्षा के मूल्य से आज भी समूचा राष्ट्र संकल्पित है। पानीपत के युद्ध में पराजय के बाद विक्रमादित्य का पूरा परिवार ग्वालियर राज्य से वंचित हो गया, उस समय रामशाह तंवर की उम्र मात्र 10 वर्ष की थी और उन्होंने अपना पैतृक राज्य पाने की कई कोशिशें की पर सब नाकामयाब रही। सन् 1558 में ग्वालियर पाने की एक आखिरी कोशिश की गई वह प्रयास भी असफल रहा तब ग्वालियर का पूरा राजघराना मेवाड़ पहुंचा। मेवाड़ इस समय अतिथि सत्कार का धर्म निभाते हुए रामशाह तंवर के पूरे परिवार का सम्मान किया और मेवाड़ के राजा उदय सिंह ने अतिथि सत्कार का धर्म निभाते हुए रामशाह तंवर के पुत्र शालिवाहन से अपनी राजकुमारी का विवाह करके रामशाह तवर को सम्मान दिया। कर्नल टॉड ने अपनी पुस्तक एनल्स एंटीक्वीस्टिक ऑफ राजस्थान में एवं कवि श्यामल दास द्वारा लिखित पुस्तक वीर विनोद में भी उल्लेख मिलता है कि महाराणा उदय सिंह ने रामशाह तवर को मेवाड़ की जागीर भी प्रदान की थी। इस प्रकार से महाराणा उदय सिंह ने अतिथि सत्कार की मर्यादा का पूरा निर्वहन किया। राजा रामशाह तंवर की आंखें हमेशा मैत्री ऋण के मूल्य को चुकाने के लिए आतुर रहती थी, संयोगवश वह दिन स्वदेश प्रेमियों को 18 जून 1576 को हल्दीघाटी के मैदान में मिला।

विशेष

डॉ. रामेश्वर मिश्र

लेखक स्तंभकार हैं।

इतिहास के पन्नों पर कुछ घटनाओं का उल्लेख स्वर्णिम अक्षरों में टंकित है। इन घटनाओं का इतिहास में अपना महत्व होता है, पर कुछ घटनाएं ऐसी होती है जो युग युगांतर तक लोगों के स्मरण पटल पर चिन्हित रहती हैं। ऐसी ही एक घटना आज से 448 वर्ष को 18 जून 1576 वीर भूमि हल्दीघाटी के मैदान में घटी, हल्दीघाटी के युद्ध को अलग-अलग इतिहासकारों ने अलग-अलग नाम से वर्णित किया है, मुगल इतिहासकार अबुल फजल ने हल्दीघाटी के युद्ध को खमनोर का युद्ध, बदायूंनी ने गोगुंदा और इतिहासकार कर्नल टॉड ने मेवाड़ का थर्मोपाइल (थर्मोपाइल यूनान के ग्रीस में स्थित एक सँकरा दर्रा है) कहा है। राष्ट्र भक्तों के लिए 18 जून का एक अलग स्थान है। इस दिन अपने स्वदेश, स्वधर्म एवं स्व-संस्कृति की रक्षा के लिए राष्ट्रवादी राजपूत सैनिकों द्वारा साम्राज्यवादी मुगल सैनिकों से एक युद्ध लड़ा गया। यह युद्ध यह याद दिलाने में सक्षम है कि स्वदेश और स्व-राष्ट्र की रक्षा का मूल्य प्राणों के मूल्य से अधिक है।

राष्ट्र की रक्षा के लिए और स्वदेश की रक्षा के लिए प्राणों का उत्सर्ग कैसे किया जाता है इसका अनुपम उदाहरण वीर भूमि हल्दीघाटी की पावन मिट्टी में मिलता है जिसकी धरा आज भी हमें अपनों की कुर्बानी की याद आती है। सन् 1954 में डायरेक्ट सत्येन बोस की फिल्म जागृति में कवि प्रदीप द्वारा लिखित एक गीत आज भी राजपूताना और प्रताप की आजादी के नारों को बतलाता है जिसके बोल हैं- ये है अपना राजपूताना नाज़ इसे तलवारों पे, इसने सारा जीवन काटा बरछी तीर कटारों पे

ये प्रताप का वतन पला है आज़ादी के नारों पे,
कूद पड़ी थी यहाँ हज़ारों पद्मिनियाँ अंगारों पे
बोल रही है कण कण से कुर्बानी राजस्थान की,
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की
वंदे मातरम, वंदेमातरम्..।।

हल्दीघाटी के इस युद्ध में स्वदेश रक्षकों की बलिदानी में एक बलिदान जो कि अपने पूरे परिवार और स्वजनों के साथ इस युद्ध में मुगलों को पस्त करने में सक्षम रहा और जिसने अपने पूर्वज के नाम को बुलंद करने का कार्य किया, इतिहास उन्हें ग्वालियर के विक्रमादित्य पुत्र रामशाह तंवर के नाम से याद करता है। रामशाह तंवर ने इस युद्ध में अपनी अतिथि के मर्यादा और मित्रता के त्रृण को चुकाने के लिए जो संघर्ष किया उस मित्रता और स्वदेशी रक्षा के मूल्य से आज भी समूचा राष्ट्र संकल्पित है। पानीपत के युद्ध में पराजय के बाद विक्रमादित्य का पूरा परिवार ग्वालियर राज्य से वंचित हो गया, उस समय रामशाह तंवर की उम्र मात्र 10 वर्ष की थी और उन्होंने

अपना पैतृक राज्य पाने की कई कोशिशें की पर सब नाकामयाब रही। सन् 1558 में ग्वालियर पाने की एक आखिरी कोशिश की गई वह प्रयास भी असफल रहा तब ग्वालियर का पूरा राजघराना मेवाड़ पहुंचा। मेवाड़ इस समय अतिथि सत्कार का धर्म निभाते हुए रामशाह तंवर के पूरे परिवार का सम्मान किया और मेवाड़ के राजा उदय सिंह ने अतिथि सत्कार का धर्म निभाते हुए रामशाह तंवर के पुत्र शालिवाहन से अपनी राजकुमारी का विवाह करके रामशाह तंवर को सम्मान दिया। कर्नल टॉड ने अपनी पुस्तक एनल्स एंटीक्वीस्टिक ऑफ राजस्थान में एवं कवि श्यामल दास द्वारा लिखित पुस्तक वीर विनोद में भी उल्लेख मिलता है कि महाराणा उदय सिंह ने रामशाह तंवर को मेवाड़ की जागीर भी प्रदान की थी। इस प्रकार से महाराणा उदय सिंह ने अतिथि सत्कार की मर्यादा का पूरा निर्वहन किया। राजा रामशाह तंवर की आंखें हमेशा मैत्री ऋण के मूल्य को चुकाने के लिए आतुर रहती थी, संयोगवश वह दिन स्वदेश प्रेमियों को 18 जून 1576 को हल्दीघाटी के मैदान में मिला। राजपूतों ने स्वदेश और स्व-संस्कृत के मूल्य की रक्षा के लिए जो कुशल शौर्य और उत्साह का परिचय दिया उस शौर्य ने मुगल इतिहासकारों को राजपूत की शौर्य गाथाएं लिखने पर विवश कर दिया। रामशाह तंवर के युद्ध कौशल एवं शौर्य का वर्णन करते हुए इतिहासकार बदायूंनी ने लिखा है कि मैंने एक ऐसा योद्धा देखा जो हाथियों की लड़ाई को दाहिनी और छोड़ते हुए मुगल सेना के मध्य भाग में पहुंच गया और वहां भयानक नरसंहार करने लगा। भयानक नरसंहार करने वाला राजा मानसिंह तोमर के पौत्र रामशाह तंवर थे, उनके शक्तिशाली हमले के कारण हरावल के बाएं और मान सिंह कछवाहा के राजपूतों को भगाकर दाहिनी ओर सैय्यदो की शरण लेनी पड़ी जिससे आसफ खाँ को भी भागना पड़ा और यदि सैय्यदो ने मोर्चा ना लिया होता तो शर्मनाक हार होती।

रामशाह के शौर्य का ही प्रतिफल था कि मुगल इतिहासकार अपनी रचनाओं में राजपूतों की शौर्य गाथा टंकित करने को विवश हो गये। रामशाह तंवर के युद्ध कौशल को अकबर के दरबारी लेखक अबुल फजल ने सुनी तो उसने भी अपने ग्रंथ अकबरनामा में लिखा है कि-वह दोनों रामशाह तंवर और शालिवाहन युद्ध के मित्र और जीवन के शत्रु थे, जिन्होंने जीवन को सस्ता और सम्मान को महंगा बना दिया। वीरता के साथ लड़ते हुए अपने तीनों पुत्रों शालिवाहन, भवानी सिंह, प्रताप सिंह तथा अपने पौत्र बलबहादुर के साथ-साथ 300 तोमर अनुयायी शहीद हो गए। रामशाह तंवर की यश गाथाएं आज भी हल्दीघाटी के मैदान की पावन भूमि से महकती है। इस वीर मातृभूमि के सपूत ने राज धर्म की रक्षा के लिए अपने पूरे परिवार सहित अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। रामशाह तंवर की वीरता और संघर्ष का वर्णन करते हुए हरिहर निवास द्विवेदी ने अपनी पुस्तक 'ग्वालियर के तोमर' में लिखा है कि तोमरो ने राणाओं के अतिथि का मूल्य चुका दिया। कर्नल टॉड ने इसी प्रकार लिखा है कि रामशाह ने अपने प्राणों के मूल्य से मातृभूमि का ऋण चुका दिया। इस प्रकार तत्कालीन इतिहासकारों से लेकर अनेक आधुनिक इतिहासकारों ने अपनी रचनाओं में रामशाह तंवर की शौर्य गाथाओं को अपना विषय बना लिया यह मातृभूमि धन्य है जहां स्वदेश, स्वधर्म और स्वतंत्रता की रक्षा का मूल प्राणों के उत्सर्ग से चुकाया जाता है, ऐसे वीर सपूत स्वदेश रक्षक रामशाह तंवर को शत-शत नमन।

यमुना किनारे प्यासी दिल्ली

मुद्दा

ध्रुव शुक्ल

भीषण गर्मी में दिल्ली की सरकार के खिलाफ उसके प्रतिपक्षी राजनीतिक दलों के मुट्ठी भर लोग सड़कों पर खाली मटके फोड़कर ऐसा स्वांग भर रहे हैं कि जैसे वे प्यासी दिल्ली से अगले चुनाव के लिए वोट मांग रहे हों। दरअसल उन्हें दिल्ली के पिछड़े इलाकों में रहने वाले लोगों की प्यास में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे तो वाटरहीन लोगों को एक दीन-हीन वोटर के रूप में ही देख पा रहे हैं।

यह राजनीतिक नुक्कड़ नाटक हर साल की गर्मियों में पूरे देश के टीवी चैनलों पर देखने को मिलता है। इन राजनीतिक बहुरूपियों के आसपास दिल्ली के वे प्यासे लोग दिखायी नहीं देते जिनके पक्ष में पानी की कमी का यह फूहड़ नाटक खेला जाता है। वे प्यासे लोग तो एक बाल्टी पानी के लिए लिए लम्बी कतारों में खड़े हैं। जो दिल्ली के सम्पन्न लोग हैं वे चुपचाप महंगा पानी खरीदकर तृप्त हैं। लोगों की प्यास के पक्ष में उनका सार्वजनिक दर्शन दुर्लभ है। वे अपनी शामें इण्डिया इण्टरनेशनल सेन्टर और पांच सितारा होटलों में प्यूरीफाइड वाटर के आइस क्यूब के साथ गुजार रहे होंगे। यमुना गंदे और उमस भरे बदबूदार जल को अपनी बची-खुची गहराइयों में संजोकर चुपचाप

बह रही होगी।

जो यमुना नदी दिल्ली की प्यास बुझाती है। वो यमुना नहीं जानती कि हिमाचल, हरियाणा और दिल्ली में किस राजनीतिक दल की राज्य सरकार है। दिल्ली में तो केन्द्र सरकार भी है पर यमुना केन्द्र सरकार के बारे में भी कुछ नहीं जानती। वह तो सबको तृप्त करने के लिए सदियों से बह रही है। यमुना यह भी नहीं जानती कि उसका पानी दिल्ली पहुंचने से पहले बीच राह में किस राजनीतिक दल की सरकार ने रोक लिया है।

यमुना तो हिमालय को जानती है। उन हिम नदों को पहचानती है जो पिघलकर उसे यमुना के रूप में रचते हैं। पर यमुना उन पापियों को नहीं जानती जो उसके पवित्र जल में सरकारों की सहमति से अपने कारखानों के जहरीले रसायन बहा रहे हैं। यमुना उन लोगों को भी नहीं जानती जिनके ठाठदार मकानों का मल-मूत्र उसी में बहाया जा रहा है। वह यमुना नदी यह भी तो नहीं जानती कि उसके जहरीले होते जाते जल को पीकर जीवन रुग्ण हो रहा है। पर दिल्ली की चुनी गयी सरकारें और उन्हें चुनने वाले लोग अच्छी तरह जानते हैं कि यमुना की इस दुर्दशा के अपराधी वहीं हैं।

पानी बह रहा है। वह नहीं जानता कि उसके किनारों पर किसकी सरकार है। जिनको पानी की दरकार है और जिनके पास पानी नहीं है वे अपने मुहल्लों में पानी के टेंकरों के मुंह पर सैकड़ों पाइप डुबाकर जैसे-तैसे अपनी बाल्टी भर रहे हैं। जिनके पास खूब पैसा है वे पानी खरीदकर भी यह नहीं सोच पा रहे कि जब पानी ही नहीं होगा तो वो अपने पैसे से उसे कहां से लायेंगे? हम जिस पानी से ही पैदा हुए हैं उसी पानी से इतने दूर क्यों होते जा रहे हैं?

सूखे कण्ठ और धरती के दरके हुए हृदय का दुख जल ही जानता है। हमारा प्रेम पाकर जल ही अमृत बन जाता है और ठुकराया गया जल विष बनकर जीवन की नाव ही डुबो देता है। हम जल के प्रति अपनी श्रद्धा से भरकर कामना करें कि सारा जल पृथ्वी के हृदय में संचित होता रहे। सदानीरा यमुना पंक मुक्त होकर फिर बहने लगे। यह कामना सामाजिक योगदान के बिना कभी पूरी नहीं हो सकती। सरकारें तो प्रतीक मात्र हैं। इन प्रतीकों से पानी की रक्षा करने की आशा करना ही व्यर्थ है।

हरियाली संवर्धन के लिए आम की एक हजार गुठलियों का रोपण

बैतूल। पर्यावरण संकट को देखते हुए विभिन्न संगठन पर्यावरण संवर्धन हेतु प्रयास कर रहे हैं। विशेषकर वर्षा ऋतु में पौधा रोपण का क्रम जारी है। इसी क्रम में ग्राम भरकावाड़ी में पर्यावरण टोली द्वारा 1000 आम की गुठलियों का रोपण किया गया।

पर्यावरण संयोजक अमोल पानकर ने बताया कि वर्षा ऋतु के पूर्व बीजों का संग्रहण कर रोपण करने से लाखों बीज नष्ट होने की बजाय व्यवस्थित रूप से अंकुरित होकर वृक्ष बन सकते हैं। यदि 20 प्रतिशत गुठलियाँ भी सफल होती हैं, तो 200 आम के वृक्ष तैयार होंगे।

इस अवसर पर जिला टोली से आशीष कोकने, प्रमोद जागरे, विक्रम इथापे, पंकज लोणारे, सारंग पात्रीकर, सुनील ठाणेकर, सुनील लोनारे, प्रदीप लॉनारे, फुलसिग धुर्वे, भवेश राठौर, प्रमोद दोड़के, विट्ठल राव चरपे, विजय रावंधे, गोलू सोनपुरे, संजू दोड़के, रवि दोड़के, अजय महाजन, दिनेश भादेकर, बाबूलाल सिंबेकर, रमेश शिंबेकर, रामराव रावंधे, मोहन सातपुते एवं ग्राम सरपंच, सचिव और ग्रामीण जन उपस्थित थे।

थाना प्रभारियों को नाबालिग बालक-बालिकाओं की शत प्रतिशत दस्तयाबी के निर्देश दिए

बैतूल। गुम बालिकाओं की दास्तयाबी मे अभियान के तहत वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में बैतूल जिले के समस्त थाना प्रभारियों को नाबालिग बालक बालिकाओं की शत प्रतिशत दस्तयाबी के निर्देश प्राप्त हुए हैं जिस हेतु सभी थानों से टीम गठित की गई हैं। जिसके पालन में थाना झल्लार द्वारा थाने के अपराध क्रमांक 05.2024 धारा 363 आईपीसी की अपहर्ता को ग्राम कामीदा से दस्तयाब किया गया एवं अपराध क्रमांक 114.2024 धारा 363 आईपीसी की अपहर्ता को महाराष्ट्र परतवाड़ा से दस्तयाब किया गया है। दस्तयाबी के उपरांत दोनो अपहर्ताओं से पूछताछ किया गया जिसमें उन्होंने मजदूरी करने अपनी मर्जी से जाना बताया हैं। दस्त्याबी मे थाना झल्लार से थाना प्रभारी उप निरी. मनोज कुमार उइके, सउनि श्रीकांत वर्मा, आर.669 हर्षवर्धन , आरक्षक 585 नितेश, महिला आरक्षक अमृता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है'।

पाथाखेड़ा पुलिस द्वारा 24 घंटे के अंदर किया चोरी का खुलासा

बैतूल। थाना सारणी अंतर्गत चोकी पाथाखेड़ा में फरियादी भीमराव पिता रेवजी चौधरी उम्र 45 साल निवासी वार्ड नम्बर 31 गणेश चौक शक्ति नगर शोभापुर कालोनी ने 15-6-24 को चौकी पाथाखेड़ा आकर रिपोर्ट किया कि दिनांक 14.06.2024 को मैने रात 9 बजे दुकान बंद करके घर चला गया था। मेरी नींद खुली तो मैने उठकर दुकान देखा तो मेरी दुकान का शटर खुला हुआ था और शटर के दोनों ताले टुटे हुये पड़े थे फिर मैने बर्तन देखा तो 6 गुंडी तांबे की कम दिखी जिन्हें कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गये है। जिस पर थाना सारणी मे अप. क्र. 322-2024 धारा 457,380 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण की विवेचना मे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा टीम गठित की गई जिसने मुखबिर सूचना एवं घटना स्थल पर मिले साक्ष्य के आधार पर संदेहियो। रमजान पिता जिन्नत आलम उम्र 18 साल निवासी वार्ड नम्बर 10 सारणी थाना सारणी जिला बैतूल 2. सुमित धुर्वे पिता चरण धुर्वे उम्र 18 साल निवासी मस्जिद चौक शोभापुर कालोनी थाना सारणी जिला बैतूल 3. ओमप्रकाश कहार पिता मोहन कहार उम्र 24 साल निवासी घोडाडोगरी थाना रानीपुर जिला बैतूल एवं अन्य 02 अपचारी बालक (नाबालिग) को घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ की गई उन्होंने दिनांक 15-6-2024 की रात्रि में 2 बजे करीबन शक्तिनगर शोभापुर कॉलोनी से बर्तन की दुकान का ताला तोड़कर 06 गुंडी तांबे की चोरी करना स्वीकार किया,जिसके बाद आरोपियों के कब्जे से 06 गुंडी तांबे की जप्त की गई।

अवैध कब्जाधारियों पर प्रशासन का शिकंजा

ग्राम पंचायत पिपरिया और काटोल में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, शासकीय भूमि से हटाया अवैध अतिक्रमण

● **गौशाला और चारागाह के लिए सुरक्षित की गई भूमि**

बैतूल। ग्राम पंचायत पिपरिया और काटोल की शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए बैतूल अपर कलेक्टर, तहसीलदार, राजस्व विभाग और थाना प्रभारी भैंसदेही की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई की। यह कार्रवाई ग्राम पंचायत काटोल और पिपरिया में की गई, शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाकर गौशाला और चारागाह के लिए सुरक्षित की गई। ग्राम पंचायत पिपरिया और काटोल की शासकीय भूमि को शासकीय पूर्णा गौशाला और अन्य पशुओं के चारागाह के लिए छोड़ने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही पंचायत द्वारा पौधारोपण करने का भी फैसला किया गया है। इस कार्यवाही के लिए गौशाला समिति ने बैतूल अपर कलेक्टर, तहसील भैंसदेही और थाना प्रभारी भैंसदेही का धन्यवाद व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि गौशला समिति ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ लड़ी लंबी लड़ाई में पुलिस, एसडीएम भैंसदेही और वन विभाग को भी अपनी शिकायतें प्रेषित की थीं। पिछले 45 वर्षों से पिपरिया पंचायत के अंतर्गत आने वाली शासकीय चरनोई भूमि, पटवारी हल्का नंबर पिपरिया, खसरा नंबर 74 में लगभग 30 एकड़ जमीन पर आसपास के किसानों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर खेती की जा रही थी। यह जमीन गौशाला के समीप ही स्थित है।

शासकीय भूमि पर की जा रही थी खेती- दरअसल, किसानों द्वारा यहां शासकीय भूमि पर कब्जा कर खेती की जा रही थी। शिकायत के बाद 15 जून को गौशाला समिति और पिपरिया सरपंच ने मौके पर पहुंचकर डायल 100 को सूचना दी थी। डायल 100 की टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा कि अनावेदक बलदेव ट्रैक्टर चलाकर अतिक्रमण कर रहा था। पुलिस ने बलदेव का ट्रैक्टर जप्त कर लिया था, लेकिन पिपरिया पंचायत के सरपंच के कहने पर उसे छोड़ दिया गया। इसके बाद गौशाला समिति ने उच्च अधिकारियों से इसकी शिकायत की, जिसके बाद सख्ती से कार्रवाई की गई। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई के बाद अब चरनोई की भूमि, जो पिपरिया पंचायत के अंतर्गत आती है, गौशाला और अन्य पशुओं के चारागाह के लिए सुरक्षित कर दिया गया है।

यह भूमि अब पशुओं के चारागाह के रूप में उपयोगी होगी, यहां पौधा रोपण कर इसे और भी हरित बनाया जाएगा। यह कदम पर्यावरण संरक्षण और पशु कल्याण के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। गौशाला समिति का कहना है कि इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप स्थानीय प्रशासन ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह के अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है, पिता छोटे से परिंदे का बड़ा आसमान

फादर्स डे पर मां शारदा समिति का अभिनव कार्यक्रम, पिताओं का भव्य सम्मान

बैतूल। फादर्स डे पर मां शारदा सहायता समिति द्वारा अभिनव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें घर-घर जाकर पैर पखारकर पिताओं का भव्य सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में 81 वर्ष के एल. सोनी, पूर्व लेखाधिकारी जिला शिक्षा बैतूल, का आरती उतारकर शाल, श्रीफल भेंट कर और गंगा जल से पैर पखारकर सम्मान किया गया।

इसी प्रकार बैतूलबाजार निवासी शिवकुमार शुक्ला, पूर्व कॉमर्स संकाय प्रमुख जे. एच. महाविद्यालय बैतूल को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु पैर पखारकर, आरती उतारकर, साल, श्रीफल से स्वागत किया गया। साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष सेवा हेतु दशरथ पांसे का आरती उतारकर, पैर पखारकर, साल और श्रीफल से सम्मान किया गया।

इस अवसर पर संजय शुक्ला, प्रीतम सिंग मरकाम, पंजाबराव गायकवाड, शैलेंद्र बिहारिया, कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु सोनी, उज्जवल पांसे, राजेश शुक्ला, विवेक शुक्ला और श्रीमती निमिषा शुक्ला, तूलिका पंचौली, प्रमिला धोत्रे विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में शैलेंद्र बिहारिया ने कहा, 'पिता पालन है, पोषण है, परिवार का अनुशासन है। पिता धौंस से चलने वाला प्रेम का प्रशासन है। पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है। पिता छोटे से परिंदे का बड़ा आसमान है।' पंजाबराव गायकवाड ने कहा, 'माता-पिता के चरणों में ही संसार होता है।' प्रीतम सिंग मरकाम ने कहा, 'महाभारत में यक्ष प्रश्न के जवाब में युधिष्ठिर ने कहा था कि वायु से भी तेज मन है, तिनकों से ज्यादा चिंता है और धरती से भारी मां है और आकाश से ऊंचा पिता है। इस जवाब को सुनकर यक्ष ने चारों भाइयों को प्राणदान दिया था। पिता का महत्व दुनिया में आकाश से ऊंचा है।' संजय शुक्ला ने कहा, 'घर में जीवित रूप में माता-पिता भगवान हैं, उनका सम्मान अवश्य करें।'

आप चले गए लेकिन सदा याद रखी जाएगी आपकी नेकी

जनआस्था के वरिष्ठ सहयोगी जीएस तिवारी को विनम्र श्रद्धांजलि

बैतूल। बात करीब डेढ़ दशक पुरानी जरूर है लेकिन आज भी मेरी स्मृति में तरोताजा है। वरिष्ठ नागरिक होने के बाद भी जवानों जैसी ऊर्जा से हमेशा लबरेज रहने वाले आदरणीय जगदीश शरण (जीएस) तिवारी दान-पुण्य करने वाले महान इंसान थे। वह जब भी कोई नेक कार्य करते थे तो उनकी यह खासियत होती थी कि इस हाथ से करने के बाद दूसरे हाथ को भी पता नहीं चलता था। मेरी उनसे मुलाकात भी कम दिलचस्प नहीं थी। मैं एक लावारिस शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान जिला चिकित्सालय में नेत्र शिविर चल रहा था। इसी दौरान उन्हें किसी ने मेरे बारे में बताया तो उन्होंने मुझे अपने पास बुलाया और रौबदार आवाज में कहा। क्या नाम है तुम्हारा? मैंने कहा संजय शुक्ला। उन्होंने फिर प्रश्न किया। यह काम तुम कब से कर रहे हो और क्यों कर रहे हो? मैंने कहा यह काम मैं 2006 से कर रहा हूं और इसलिए कर रहा हूं क्योंकि हर इंसान की इतनी तो आस्था होती है कि उसकी जहां कहीं भी सांसों की डोर टूटे तो कम से कम दो गज जमीन और ढ़ाई मीटर कपड़ा उसे नसीब होना चाहिए। लोगों की इस आस्था को पूरा करने काम जनआस्था के द्वारा मैं कर रहा हूं। मेरी बातों को सुनकर परम श्रद्धेय श्री तिवारी जी ने यही कहा कि बेटा उम्र छोटी है लेकिन आप काम बहुत बड़ा कर रहे हो। मैंने उनके पैर छूए और उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया और मैं चला गया। समय बीता कुछ दिनों बाद मेरे पास जगदीश शरण तिवारी जी का फोन आया और उन्होंने मुझे अपने कोसमी स्थित घर पर बुलाया। मेरे वहां पहुंचने पर उन्होंने कुछ राशि दी और यह कहा कि इस बात का जिक्र कभी किसी से ना करना। और यह राशि लावारिस शवों के अंतिम संस्कार में खर्च करना और जब-जब रुपयों की आवश्यकता हो मुझसे बेहिचक लेकर जाना। मैं तीन-चार बार उनके घर गया और उन्होंने मुझे हर बार कुछ ना कुछ राशि जरूर दी। मैंने उन्हें दी गई राशि का पूरा हिसाब बताया तो उन्होंने मेरा एक हाथ दबाते हुए कहा कि बेटा तुम जो कर रहे हो उसके लिए मेरे पास शब्द नहीं है। हिसाब अपने पास रखो। चूंकि आज परम आदरणीय श्री तिवारी इस दुनिया में नहीं है तो मेरे दिल ने यह कहा कि उनके द्वारा किए नेक कार्यों के बारे में उनके जीते जी ना सही लेकिन दिवंगत होने के बाद सभी को जरूर पता चलना चाहिए कि लावारिसों, बेसहाराओं, जरूरतमंदों की मदद करने के लिए हरदम तैयार रहने वाला एक नेक, धर्मात्मा इस दुनिया से चला गया है। आदरणीय अंकल जी आप भले ही इस दुनिया से चले गए हों लेकिन आपके द्वारा किए गए पुण्य कार्य और नेकी सदा याद रखी जाएगी। ईश्वर आपको अपने श्रीचरणों में स्थान दें। और आपके परिवार को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

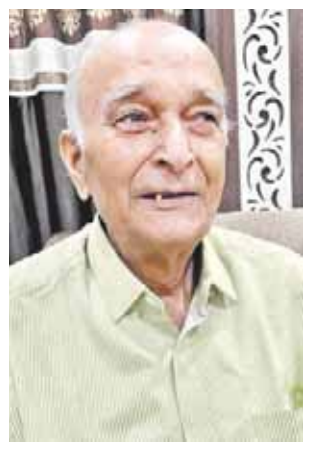

कार्यकर्ता शिविर सम्पन्न, संगठन का हुआ पुनर्गठन

नागले अध्यक्ष, पाटिल महासचिव बने

बैतूल। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा बैतूल का एक दिवसीय कार्यकर्ता शिविर एवं जिला शाखा का पुनर्गठन कार्यक्रम रविवार डॉ. अंबेडकर भवन, कारगिल चौक सदर में संपन्न हुआ। मीराताई ताई अम्बेडकर बैतूल संगठन के अध्यक्ष शंकरराव शेषकर ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रमुख, मुंबई बीएच गायकवाड गुरुजी, विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संगठक, मुंबई प्रमुख, गौतम पाटिल, और प्रदेश अध्यक्ष चरणदास ढेंगरे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम प्रदेश सचिव छिंदवाड़ा, राजेश पाटील, प्रदेश सचिव राजकुमार कामड़े और प्रदेश संगठक एवं जिला महासचिव नानक सातनकर की विशेष मौजूदगी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले से बड़ी संख्या में बौद्ध उपासक एवं उपासिकाएं से उपस्थित थे।

कार्यकारिणी का हुआ गठन- इस कार्यक्रम में दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा बैतूल का पुर्नागठन किया गया जिसमें अध्यक्ष नामदेव नागले, महासचिव सहदेव पाटिल, उपाध्यक्ष तोबू हुरमाड़े, नालंदा शेषकर, काशीनाथ वाघमारे, प्रकाश उबनारे, कार्यलयीन सचिव अशोक खातरकर, सचिव मधुकर पाटिल, सुरजलाल मंडलेकर, वर्षा नागले, प्रमिला पाटिल, प्रेमलाल अम्बुलकर, दुर्गाप्रसाद चौकीकर, ओमप्रकाश खातरकर, बीएल कापसे, लेखा परिक्षक एमएल पाटिल, तहसील संघटक बीडी पाटील, धनु झरबड़े, धनेन्द्र वासनिक, सी नागले को मनोनीत किया गया। इनके मनोनयन पर संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बधाई दी है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके का राजीव खंडेलवाल के निवास पर आत्मीय स्वागत

बैतूल। केंद्रीय राज्यमंत्री (जनजातीय कार्य) एवं बैतूल- हरदा-हरसूद सांसद दुर्गादास उइके का पूर्व सुधार न्यास अध्यक्ष एवं कर सलाहकार राजीव खंडेलवाल एवं युवा भाजपा नेता एवं कर सलाहकार योगी राजीव खंडेलवाल द्वारा निज निवास पर पहली बार आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। उन्हें भारत सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के राज्य मंत्री बनने पर पूरे परिवार एवं वरिष्ठ जनों सहयोगियों, पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाई दी गई। श्री उइके के मंत्रिमंडल में शामिल होने पर राजीव खंडेलवाल द्वारा लिखे गये लेख ''इतिहास दोहराया गया'', एवं ''नया इतिहास रचा गया'' शीर्षक से नवभारत, मत मतांतर सहित देश के अग्रणी अखबारों में छपा था, प्रमुख अखबार नवभारत में छपे लेख की प्रति उन्हें दी गई।

इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानी (मीसाबंदी) गुलाबराव पंडागरे, बिरदीचंद पगारिया पूर्व अध्यक्ष वैश्य महासम्मेलन, हरवंशलाल आहूजा ट्रस्टी गायत्री शक्तिपीठ, अतीत पवार अध्यक्ष बैतूल नागरिक सहकारी बैंक, भाजपा बैतूल नगर गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, पूर्व पार्षद शिवकिशोर पाल, पूर्व बजरंग दल अध्यक्ष श्याम टेकपुरे, सरपंच खेड़ली-भैंसदेही रामकिशन टिकमे, पत्रकार बलवंत घोटे, आरोग्य भारती के डॉ. शैलेन्द्र सोनी, श्रीमति नीलम दुबे, दिलखुश ग्रुप के उत्तम दीक्षित, अशोक पांडे, डॉ. विजय कुमार श्रीवास्तव, श्रवण कोशे, पूर्व पार्षद प्रशांत माडवीकर, पूर्व पार्षद बाबू प्रमोद भार्गव, भारत विकास परिषद के आशीष पचौरी, प्रकाश वंजारे, रिषीराम सरले, राहुल लुहाडिया, हेमंत रांका, योगेश तिवारी, डॉ. प्रियेश पात्रीकर, संतोष मिश्रा, नूतन सरले, सुजय पौनीकर, राजेश जायसवाल, सत्पाल मगरदे, कुणाल शर्मा, परशुराम सेना के सीए करण पांडे एंव साथी, शाहपुर से अधिवक्ता राकेश मिश्रा, सचिन गुप्ता, राजेश देशमुख, भूषण पंडागरे, पंकज कमाविसदार, अरविंद गीद, पुनीत राने, अनिल खोबरे, मनोज राने, ओमप्रकाश खोडके सहित गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे

होशंगाबाद की हलचल

संजीव डे राय

हिन्दी को लेकर विनोद जी सभी को एक कर गए..

नगर में मूर्धन्य विलक्षण प्रतिभाएं ढूंढने पर मिल जायेंगी लेकिन विनोद जी जैसी प्रतिभा मिल पाना कठिन है, इस हफ्ते उनकी जीवंतता दिखाई दी अपना पूरा जीवन हिंदी के लिए जीकर हिंदी को समर्पित कर पाना उन्हीं के बलबूते थी उनकी बरसी पर उनकी इच्छानुसार उनकी मित्रमंडली ने साहित्य विनोद अलंकरण से हर साल उस एक बच्ची को पुरस्कृत करने की घोषणा की जो एम ए हिन्दी में सर्वोच्च अंक हासिल करेगी उसे डॉ विनोद निगम शैक्षणिक अनुसंधान केन्द्र द्वारा सम्मानित किया जाएगा, मुख्य रूप से ग्रामीण परिवेश से आती कु. वर्षा सेन को इस मौके पर 126 ग्राम से निर्मित गोल्ड मेडल देकर इस अलंकरण की शुरुआत भी कर दी। विनोद जी की जिंदादिली और हिन्दी को लेकर दीवानगी और उनके सप्तम मित्र समूह को इस बात के लिए बधाई जिन्होंने मित्र को हिंदी के सम्मान के लिए साहित्य विनोद अलंकरण के जरिए अमर बना दिया।

चुनाव हो गये अब बदलाव होना चाहिए..

चुनाव हो चुके परिणाम भी आ गए अब व्यवस्था में बदलाव होना चाहिए, विभिन्न क्षेत्रों में अचानक से केवल कुछ वर्षों में कुछ लोगों की बेपनाह धन दौलत में हुई उन्नति इस क्षेत्र में चौंकाती तो है, कई मामलों में लकीर के फकीर रहे ऐसे लोग पद पर आकर या पद पर रहते इतनी उन्नति कर जायेंगे सहज विश्वास नहीं होता। प्रधानमंत्री को यहां भी ईडी के जांच दायरे में अपने प्रतिनिधियों को लेना चाहिए, हमेशा से मूक रहने वाली आम जनता का इस मामले में कहना है कि भ्रष्टाचार कोई भी कर सकता है। बस केंद्र सरकार को यहां जांच की हिम्मत दिखानी चाहिए कि ईमानदारी को लेकर जांच की तराजू में सभी एक है।

नगर के भीतरी यातायात व्यवस्था को लेकर विभाग चौक्कने नहीं ऐसा क्यों..?

इंदिरा चौक पर नगरपालिका की पार्किंग कहां है..? यह सवाल जनता करने लगी, फिर प्रशासन बताएं पार्किंग क्या बीच सड़क पर होती है..? डॉ पाण्डेय के सामने हो या डॉ सेठा या फिर पंजाब बैंक हो या विधायक विजय पाल सिंह की लाज के सामने अस्थाई बेरिकेडिंग और टेलीफोन का लगा खंभा यातायात को प्रभावित करती है। इसी प्रकार सराफा चौक स्थित बैंक सभी जगह जाम और यातायात प्रभावित हो रहा ..? विधायक डॉ सीतासरन शर्मा इस मामले में क्या उसूलों से दोस्ती निभा रहे हैं या यह सेटिंग है। सालों हो गये श्रीमती माया नारोलिया के कार्यकाल में नगरपालिका ने इंदिरा चौक पर जनता की सुविधा के लिए सुलभ काम्प्लेक्स क्षेत्र को पार्किंग स्थल बनाया था। लेकिन पार्किंग का उपयोग रसूखदारों की चार पहिया वाहनों को खड़े करने में हो रही आम आदमी परेशानी उठा रहा..! इतवारा में व्यापारियों ने बजरिया झील पार्किंग स्थल के लिए सुझाई वहां पार्क बना कर पार्किंग सुविधा छुड़ाई इस अन्याय को लेकर व्यापारी वर्ग सड़क पर नहीं आ पाया। व्यवस्था सुधारने को लेकर एक अलग से सिटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करना तो मुख्यालय पर प्रशासनिक खानापूर्ति समझ आती है। इसे देखने की जिम्मेदारी क्या कलेक्टर या उनके प्रतिनिधि की नहीं..?

यदि उद्देश्य खत्म तो तोड़ क्यों नहीं दिया जाता...

महावीर टाकीज क्षेत्र में प्रशासन ने विधायक की अनुशंसा पर दुकानदारों को भीतर बैठा तो दिया..! लेकिन बरसों हो गये महावीर टाकीज बंद हुए उस पर ध्यान नहीं दिया। जब मनोरंजन का उद्देश्य ही खत्म हो गया तो क्यों नहीं महावीर टाकीज तोड़कर यहां अन्य भवन आदि बनाया जाए जगदीश मंदिर को रथ रखने के लिए जनकपुरी के लिए जमीन आवंटित की जाए। यहां रथ रुकने की परंपरा का मतलब है लोगों की आस्था से वास्ता रखती है। विधायक यहां अहम खत्म कर जगदीश मंदिर मंहत से मिलकर क्यों नहीं जनहित में उनकी कही जाती भूमि उनसे दान ले पाते..?

इन मामलों में आखिर दोषी कौन..

नर्मदा घाट पर सफाई होती भी है और नहीं भी लेकिन स्थाई सफाई नहीं हो पाती फिर घाट पर डूबकर मौतें हो रही है। आखिर घाट किसके हैं कलेक्टर और मुख्य नगरपालिका अधिकारी क्या कर रहे जिसे ये संज्ञान नहीं ले रहे। एक गाड़ी से टकराकर होने वाली मौत पर तो मतृक को बतौर सहानुभूति मुआवजा मिल जाता लेकिन डूबकर मरने वाले के प्रति कोई ऐसी कोई सहानुभूति नहीं..? फिर पुराने तैराक कहां गए जिन्हें नगरपालिका घाटों पर तैनात रखती थी। प्रशासन को ऐसी जगह पर तैराकी से संदर्भित लोगों का सहयोग लेना चाहिए तैराकी कोटे से नौकरी लेने वालों को मूल काम बचाव में उपयोग क्यों नहीं किया जाता..? 9 लोग विभिन्न घाटों पर स्नान करते हुए डूब चुके इसका मतलब घाट का धरधौरी कोई नहीं जिसकी नियमित देखरेख होनी चाहिए..

रसूखदार की अदावत के आगे सब मौन पर खुश नहीं

जिले के साहित्य प्रेमी और बुद्धिजीवी नगर के रसूखदार की अदावत के आगे मौन जरूर है लेकिन खुश नहीं, दो दिन पहले स्व विनोद जी की बरसी मनाने को चर्चित सभागार में एकत्रित हुए इन कलाप्रेमियों और साहित्यकार बुद्धिजीवियों ने बजरिया स्कूल को टूटे देख भारी अफसोस जताया जिन्होंने ऑडिटोरियम से ज्यादा इस जगह को स्कूल भवन ज्यादा जरूरी कहा.. कलाप्रेमियों ने बताया उनकी आडिटोरियम निर्माण की मांग थी वह स्कूल तोड़कर जरुरी नहीं,अलबत्ता एसपी आफिस के निकट अतिक्रमण के लिए फीलिंग की जा रही जगह जरुर उन्होंने चाही थी।

और अंत में अब चलते चलते..

नगरपालिका ने बड़े बड़े नालों के सामने कचरा निकालकर बड़ी बड़ी फोटो निकलवाई है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी क्या इस बात की गारंटी देंगी कि नगर में पानी नहीं भरायेगा। नीचे बाजार में पानी नहीं भरायेगा.. चेम्बर बनाकर यहां काम चलाया जा रहा है इस क्षेत्र में नालों के उपर अतिक्रमण है यहां चेंबर से काम तो नहीं होगा..

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर 18 जून को धरमपुरी विधानसभा में प्रवास पर रहेंगी

केंद्रीय राज्यमंत्री के प्रथम आगमन पर विभिन्न ग्रामों में होगा भव्य स्वागत

धार। धार- महू लोकसभा सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर महिला एवं बाल विकास केंद्रीय राज्यमंत्री बनने के बाद ग्रह क्षेत्र धरमपुरी विधानसभा में प्रथम आगमन 18 जून मंगलवार को होगा केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री तय कार्यक्रम अनुसार सुबह 10:30 धार सर्किट हाउस से प्रस्थान कर 10:45 पर ग्राम तलवाड़ा पहुंचेंगे वहा से 11:00 पगड़ी फटा 11:30 पर नालछा दोपहर 12 बजे मांडव 12:30 पर ब्रह्मानपुरी 1:00 बजे तारापुर 1:30 बजे चंदावड़ 2:00 बजे भगवानिया 2:30 बजे सुंद्रेल 3:00 बजे धरमपुरी 3:30 बजे लुनेरा फटा 4:00 बजे खलघाट 4:30 बजे

गुलझरा हनुमान मंदिर बालाजी परिसर पर आभार सभा कर समापन होगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर धर्मपुरी विधानसभा में प्रथम आगमन पर विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्ष सहित मोर्चा प्रकोष्ठ एवं सामाजिक संगठन द्वारा प्रथम आगमन पर मंचों के माध्यम से पुष्प वर्षा कर श्रीमती ठाकुर का स्वागत किया जाएगा। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक कालू सिंह ठाकुर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी विधानसभा के वरिष्ठ नेता व मंडल अध्यक्ष मौजूद रहेंगे। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

विश्व सिकल सेल दिवस आज मनाया जाएगा

धार। प्रतिवर्ष 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। शासन स्तरीय निर्देशानुसार इस वर्ष भी 19 जून 2024 को विश्व सिकल सेल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम जिला डिंडौरी में अन्य 33 जिलो (धार जिला सम्मिलित) में जिला स्तर तथा पंचायत स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन कर सिकल सेल एनीमिया के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निराकार कर शासन की महत्वकांक्षी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करना तथा जनसामान्य को बीमारी के सुगम एवं निःशुल्क उपचार की उपलब्धता से अवगत कराया जाना है। 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस का कार्यकम जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शासकीय पी. जी. कॉलेज (ऑडिटोरियम) इंदौर रोड पर किया जावेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग एवं चिकित्सकीय परामर्श के लिये विषय विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी, आर.बी.एस.के. आयुष चिकित्सक तथा पैरामेडिकल स्टॉफ जिला चिकित्सालय के दायित्व निर्धारित किये गये है। सिकल सेल दिवस के। जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थल पर सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग की कार्यवाही भी सुनिश्चित जावेगी।

विश्व सिकल सेल दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम जो कि जिला डिडोंरी में आयोजित किया जा रहा है, का सीधा प्रसारण जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थल सहित जिले की स्वास्थ्य संस्थाओ यथा हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में तथा समन्वित विभागो के सहयोग से किया जावेगा।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर समन्वित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, युवा कल्याण विभाग के द्वारा जनजागरूकता के उद्देश्य से मैदानी स्तर पर चित्रकला, रंगोली एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जावेगा। साथ ही जन सामान्य को प्रेरित कर सिकल सेल एनीमिया की जांच के लिये नजदीकी स्वास्थ्य संस्था पर भेजा जावेगा। इस हेतु संबंधित समन्वित विभागो के द्वारा अपने अमले को आवश्यक निर्देश प्रसारित किये जा चुके है। इसके अतिरिक्त गतिविधि उपरांत कार्यवाही का प्रतिवेदन मय फोटोग्राफ जिला स्तर पर प्रेषित किये जाने के संबंध में भी निर्देशित किया गया है। गतिविधि के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारी से समन्वय स्थापित किया गया है। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिले के निम्नानुसार हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग का कार्य किया जावेगा। गतिविधि दिवस के दिन प्रति हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पर 50 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग तथा प्रति प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर 100 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें विकासखंड स्तर पर हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर की संख्या 420 तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की संख्या 46 है।

ईवीएम विवाद

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने अपनी ही पार्टी को घेरा

भोपाल। दिग्विजय सिंह के भाई और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण सिंह ने ईवीएम पर बढ़ते विवाद के बीच कहा है कि कांग्रेस पार्टी ही ईवीएम लेकर आई थी, इस पर सवाल उठाना कहीं से भी उचित नहीं है। उन्होंने इसके साथ ही कई और मुद्दों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। एनसीईआरटी की किताबों में बाबरी मस्जिद के विषय को हटाने का मामला तूल पकड़ रहा है। इस विषय पर तमाम राजनीतिक दल के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। लक्ष्मण सिंह ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि क्या बच्चों को ये बताना चाहेंगे कि मुगलों ने हमारे मंदिर को तोड़ा था। बच्चों को यह इतिहास पढ़ना चाहिए कि वहां पर राम मंदिर था। एनसीईआरटी की किताब से अगर बाबरी मस्जिद के विषय को हटाया गया है तो कोई गलत नहीं है। जो सच है वही बच्चों को बताया जाना चाहिए। लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की मांग पर लक्ष्मण सिंह ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर तक हमें समितियां बनानी चाहिए। समितियां जो भी फैसला करे, उस पर निर्णय लेना चाहिए, ना कि बंद कमरे में 10-12 लोगों को बिठाकर कोई निर्णय लें। ईवीएम पर उठ रहे सवालों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लक्ष्मण सिंह ने कहा कि हमारी ही पार्टी ईवीएम लेकर आई थी। जब ईवीएम को लाया गया था तब सोनिया गांधी यूपीए की चेयरपर्सन थी। इसलिए उस पर सवाल नहीं उठाना चाहिए। वहीं एलन मस्क को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने देश की चिंता करें, यहां की नहीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे के सोशल मीडिया एक्स पोस्ट पर उन्होंने कहा कि सरकार को गिराने की न सोचें। आप बड़े और वृद्ध नेता हैं।

शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय खंडवा के विद्यार्थियों द्वारा शास्त्रीय गायन व सुगम गायन की विशेष प्रस्तुति, कथक के रंग भी बिखेरेंगे

विश्व योग व संगीत दिवस पर 21 जून को शासकीय संगीत महाविद्यालय धार करेगा 'संगीत सभा' का आयोजन

धार। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग भोपाल के सहयोग से शासकीय संगीत महाविद्यालय धार द्वारा विश्व योग व संगीत दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जून 2024 को संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। शासकीय संगीत महाविद्यालय का यह आयोजन कलेक्ट्रेट रोड पर स्थित होटल देव के सभागृह में संध्या 6 बजे से यह कार्यक्रम प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी सविता झानिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी , जिला पंचायत धार। इस विशेष कार्यक्रम में शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय खंडवा के विद्यार्थी कलाकारों की प्रस्तुति होगी, जिसमें शास्त्रीय गायन, सुगम गायन तथा कत्थक नृत्य की प्रस्तुति होगी। मध्य प्रदेश के 12 शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों में से एक महाविद्यालय शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय खंडवा, विगत कई वर्षों से शास्त्रीय संगीत में गायन, तबला एवं नृत्य की शिक्षा विद्यार्थियों को निरंतर रूप से प्रदान करता आ रहा है।

इसी प्रकार शासकीय संगीत महाविद्यालय धार के विद्यार्थियों द्वारा शास्त्रीय गायन - समूह एवं तबला वादन- समूह की विशेष प्रस्तुति शासकीय संगीत महाविद्यालय मंदसौर में होगी। गौरतलब है कि ,शासकीय संगीत महाविद्यालय धार आजादी के पूर्व से ही धार शहर व धार जिले के विद्यार्थियों को शास्त्रीय संगीत में गायन, तबला एवं वायलिन की शिक्षा निरंतर रूप से विद्यार्थियों को प्रदान करता आ रहा है , और विद्यार्थियों को विभिन्न अवसरों पर प्रस्तुति के लिए मंच भी प्रदान करता रहा है। इस वर्ष भी संस्कृति संचालनालय भोपाल और संगीत महाविद्यालय के आपसी सहयोग से संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थी दूसरे संगीत महाविद्यालय में प्रस्तुति देंगे । इस प्रकार नवोदित छात्र कलाकारों को भविष्य के लिए कलाकार बनाना और उन्हें मंच प्रदान करना, संस्कृति विभाग का उद्देश्य है।

इसी तारतम्य में 21 जून को प्रातः 10 बजे से शासकीय ललित कला महाविद्यालय, घोड़ा चौपाटी धार में सुप्रसिद्ध चित्रकार डॉ. नीना खरे, ग्वालियर द्वारा व्याख्यान एवं डेमोंस्ट्रेशन का आयोजन किया जा रहा है ।

शासकीय ललित कला महाविद्यालय धार के प्रसिद्ध चित्रकार प्रेम सिंह सिकरवार शासकीय ललित कला महाविद्यालय खंडवा में अपना व्याख्यान एवं डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत करेंगे।

सीएम हेल्पलाइन: मुख्यमंत्री बदल गए पर ईपीएफ के पैसों को दो साल से भटक रहा बुजुर्ग

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सीएम हेल्पलाइन से प्रदेश के वाशिंदों को काफी आशाएं थीं।कि प्रदेश के मुखिया की सरपरस्ती में जनता-जनार्दन को उनकी समस्याओं का जल्दी ही निराकरण हो जाएगा। लेकिन सर्व शिक्षा अभियान के तहत जनपद शिक्षा केन्द्र बनखेड़ी जिला नर्मदापुरम में वर्ष 2008 से 2010तक कार्यरत संविदा उपमंत्री रहने वाले सोहागपुर के जवाहर वार्ड निवासी कैलाश सोनी ने पूर्व में अपने विभाग बनखेड़ी कार्यालय में अपने ईपीएफ की जमा राशि की मांग की गई थी। लेकिन ईपीएफ का भुगतान नहीं हो पाया।तब श्री सोनी ने नर्मदापुरम जिले में अपने विभाग से भुगतान करने के लिए आवेदन किया। लेकिन वहां भी 65 वर्षीय श्री सोनी को निराशा हाथ लगी। इसके उपरांत श्री सोनी ने तत्कालीन जिला कलेक्टर को आवेदन किया। लेकिन उनको कोई राहत नहीं मिल पाई। आखिर डूबते को तिनके का सहारा की कहावत उनके मन-मस्तिष्क में आ गई।कि सीएम हेल्पलाइन से ही मेरी समस्या का निराकरण हो जाएगा। श्री कैलाश सोनी ने बताया मेरी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा कि प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री ने जनता-जनार्दन के लिए हेल्पलाइन बना दी है। जिसका लाभ मेरे को शीघ्र ही मिल जाएगा। मैंने दिनांक 22 जून 2022 को सीएम हेल्पलाइन नंबर 18050119 पर मैंने शिकायत दर्ज करवा दी। अब मुझे इन्तजार था। मेरी समस्या निराकरण के उपरांत मेरी सर्विस में काटी गई ईपीएफ की राशि का भुगतान मिलना। लेकिन ऐसा लग कि सीएम हेल्पलाइन भी बीरबल की खिचड़ी की तरह है। मैंने प्रति माह सीएम हेल्पलाइन नंबर पर फोन करना जारी रखा। वहां से रटा-रटाया जवाब मिलता रहा कि आप चिंता न करें।आप परेशान न हो। आपकी शिकायत अपडेट की जा रही है। आपकी शिकायत एल 4,पर लंबित है। ऐसा सुनते सुनते मेरे कान ही पक गए।कि सीएम हेल्पलाइन से रटा-रटाया जवाब मिलता रहा। ऐसा सुनते सुनते ही पहले मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ही बदल गए। अब मुख्यमंत्री मोहन यादव पदासीन हो गए। लेकिन मेरी समस्या जह की तह बनी हुई है। मेरे सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने की अब 22 जून 24 को दूसरी सालगिरह होने वाली है। आपने सीएम हेल्पलाइन सहित संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया है कि सीएम हेल्पलाइन की गरिमा बनी रही। इसी कारण कम से कम मेरा ईपीएफ की राशि का भुगतान करवा दें। ताकि सीएम हेल्पलाइन की गरिमा बनी रही।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सोहागपुर पुलिस की कॉम्बिंग गस्त में 22 वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता

सुबह सवेरे सोहागपुर

पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र के निर्देशन तथा एसडीओ पुलिस संजू चौहान के मार्गदर्शन में नगर निरीक्षक कंचन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पुलिस थाना सोहागपुर के अंतर्गत स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटियों की प्रथक प्रथक टीम बनाकर कोम्बिंग गस्त के दौरान 17 गिरफ्तारी वारंटी एवं स्थाई वारंटी 05 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने बताया कि देवेन्द्र रघुवंशी पिता रमेश रघुवंशी उम्र 30 साल निवासी रांझी जबलपुर हाल निवासी कलमेशरा को अवैध रूप से धारदार छुरा मिलने पर गिरफ्तारी की गई अपराध क्रमांक 169/24 के इनामी आरोपी तुलसीराम वंशकार पिता मुन्नालाल वंशकार उम्र 25 साल निवासी ग्राम मालझिर थाना बाड़ी जिला रायसेन को गिरफ्तार किया गया 7 सोहागपुर थाने के अंतर्गत पुलिस चौकी सेमरी हरचंद एवं शोभापुर के पुलिस दल ने प्रथक प्रथक टीम बनाकर स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटियो धर पकड़ की। जिसमें गिरफ्तारी वारंटी-- सुरेन्द्र पिता गोपाल कहार उम्र 29 साल नि. रेंगाखेड़ा, बलदेव पिता मोहन भल्लावी उम्र 35 साल नि. सियारखेड़ा, चेन सिहं पिता भगत सिंह भल्लावी उम्र 52 साल नि. विनेका , राजेश पिता गुलाब सिंह अहिरवार उम्र 26 साल नि. ग्राम चीचली, गुलाब पिता शंकरलाल अहिरवार उम्र 55 साल नि. ग्राम चीचली , मुकेश पिता कैलाश कहार उम्र 37 साल नि. रामप्रसाद वार्ड , राकेश पिता मुन्नालाल वंशकार उम्र 27 साल नि. तारबाहर सोहागपुर , रामहजूर पिता रामस्वरूप गुर्जर उम्र 23 साल नि. ग्राम पांजरा सोहागपुर, मोहन पिता गुन्नू कहार उम्र 24 साल नि. ग्राम जमुनिया , सुरेन्द्र पिता गोपाल कहार उम्र 29 साल नि. रेंगाखेड़ा , मूलचंद पिता सुंदरलाल विश्वकर्मा उम्र 45 साल नि. सेमरी हरचंद , गोपाल पिता सीताराम पुर्विया उम्र 35 साल नि. भटगाँव , गणेशराम पिता हरसू केवट उम्र 30 साल नि. ग्राम भटगाँव , अमर सिंह पिता हरिसिंह अहिरवार उम्र 35 साल नि. ग्राम बरवानी टोला, नर्मदा पिता नंदराम रघुवंशी उम्र 38 साल नि. रानीपिपरिया , पोहप सिहं पिता बुद्धा अहिरवार उम्र 60 साल नि. नगतरा , परसराम रघुवंशी पिता रमेश रघुवंशी नि. नवलगांव एवं पांच स्थाई वारंट तामील किए गए- स्थाई वारंटी जग्गू सिहं पिता कीरत इवने उम्र 25 साल नि. डूंडादेह, राजकुमार पिता छोटेलाल पटेल उम्र 31 साल नि. धपाड़ा , सरवन पिता गणेशराम गुर्जर उम्र 40 साल नि. ग्राम सतवासा (02 वारंट), मोहनदास पिता किसनदास उर्फ मरिया उम्र 49 साल निवासी ग्राम कासखेड़ा को विधिवत वारंट में गिरफ्तार किया गया । कौम्बिंग गस्त ही रेल्वे स्टेशन के पास एक व्यक्ति हाथ में धारदार छुरे के साथ संयुक्त रूप से मौके पर देवेन्द्र रघुवंशी पिता रमेश रघुवंशी उम्र 30 साल निवासी रांझी जबलपुर हाल निवास कलमेशरा को अपराध क्र. 349/24 धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपराध क्रमांक 169/24 के इनामी आरोपी तुलसीराम वंशकार पिता मुन्नालाल वंशकार उम्र 25 साल निवासी ग्राम मालझिर थाना बाड़ी जिला रायसेन को मालझिर से गिरफ्तार करके वारंटियों को माननीय न्यायालय पेश किया जाएगा । इस कोम्बिन गस्त के अवसर पर

नगर निरीक्षक कंचन सिंह, उनि मेघा उदेनिया, उनि आकाशदीप पचाया, उनि प्रवीण यादव, उनि रामेश्वर वर्मा, उनि मुकेश सोनी, सउनि दीपक पाराशर, सउनि वरूण सिंह, सउनि सुनील भंवर, सउनि मकसूद खान, सउनि अशोक सातनकर, सउनि नरेश रघुवंशी, सउनि हरपाल चौहान, प्रधान आर. मनोज सोनी, राजाराम बावरिया, विनोद नागर, प्रकाश सिंह चौहान , शैलेन्द्र वर्मा, अरविंद चौबे, प्रधान आर. संजीव धुर्वे, प्रमोद पटेल , आरक्षक अर्जुन मौर्य , सुनील उमरिया, रोहित गौर, नरेन्द्र पटैल, गुरूप्रसाद पवार, रामकृष्ण राठौर, दीपक पाराशर, राजेन्द्र तोमर, दुर्गा प्रसाद सरेयाम, रोहित ठाकुर , मनीष कपाले,, अनिल पाल, आर चालक. राहुल पवार, महिला आरक्षक नेहा रघुवंशी , सलोनी खरे, स्वाति राजपूत , आरक्षक संजय गिरी, अतुल शर्मा, आर. अंकित साहू, आर. अंकुश कौरव, आर. दीपेश बौरासी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित

सुबह सवेरे सोहागपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन अटल उद्यान में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर चित्रकला, लेखन, निबंध आदि विभिन्न प्रतियोगिता के सहभागियों को प्रमाण पत्र एवं सील्ड अतिथियों ने प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन संजीव शुक्ला ने किया। इस अवसर पर उपयंत्री आर.जी. चौबे, सरला सनकत,एच एल परते, संजय परसाई , प्रदीप दुबे,हुकुमचंद मेहरा, प्रीति पारधी,हरगोविंद व्यास अशोक कुशवाहा,प्रबुद्ध दुबे, अनिल रघुवंशी, प्रह्लाद किरार, संजीव दुबे,अपूर्व सरोज, लक्ष्मीनारायण मालवीय, श्यामल डे, जय सिंह राजपूत, उत्सव जायसवाल, सेमिरेटेंस स्कूल के निशा सोनी, प्रभात शर्मा आदि उपस्थित थे। पुरुस्कार वितरण के उपरांत नगर परिषद के सभाकक्ष में उज्जैन में मां क्षिप्रा के तट पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। नगरपालिका अधिकारी जीएस राजपूत ने बताया कि गंगा संवर्धन अभियान के तहत शासन की मंशा नुसार नगर के नदी, तालाबों, कुंआ, बावड़ी, झीलों एवं अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु विशेष अभियान चलाया गया।, जिसमे नगर की पलकमती नदी में प्रतिदिन स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया जिसमें नदी में स्वच्छता श्रमदान के माध्यम से सफाई की गई वहीं जेसीबी के माध्यम से नदी से कचरा, शिल्ट एवं कीचड़ को बाहर किया गया। इसी तारतम्य में पुण्य जमनी सरोवर में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विजयपाल सिंह सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं नगर पंचायत परिषद के कर्मचारियों उपस्थित थे।

इस दौरान नगर परिषद के उपयंत्री आर.जी. चौबे, सरला सनकत, एच एल परते, संजय परसाई, प्रदीप दुबे,हुकुमचंद मेहरा, प्रीति पारधी,हरगोविंद व्यास अशोक कुशवाहा,प्रबुद्ध दुबे, अनिल रघुवंशी, प्रह्लाद किरार, संजीव दुबे,अपूर्व सरोज, लक्ष्मीनारायण मालवीय,श्यामल डे, जय सिंह राजपूत,उत्सव जायसवाल एवं सेमिरेटेंस स्कूल के निशा सोनी, प्रभात शर्मा आदि उपस्थित थे। पुरुस्कार वितरण के उपरांत उपस्थित जनों ने नगर परिषद के सभाकक्ष में उज्जैन में मां क्षिप्रा के तट पर मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।

राइट क्लिक

क्या राहुल गांधी की स्वीकार्यता बढ़ रही है?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

चुनाव में हारी या तगड़ा झटका खाई किसी भी राजनीतिक पार्टी में उत्तर चुनाव घमासान कोई नई बात नहीं है। भाजपा के बजाए एनडीए के सहारे तीसरी बार सत्ता में लौटने वाली भाजपा में यही हो रहा है। हार के लिए ठीकरे तलाशे जा रहे हैं तो दूसरी तरफ विपक्षी एनडीए के चुनाव प्रचार में मुख्य चेहरा रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भावी राजनीतिक संभावनाओं के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। इसके पक्ष में कई राजनीतिक विश्लेषक एक दशक बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के साथ कांग्रेस का 99 सीटें जीतकर मजबूत विपक्ष के रूप में उभरना और चुनाव बाद सीएसडीएस- लोकनीति द्वारा कराए पोस्ट पोल सर्वे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी की लोकप्रियता में अंतर का लगातार घटना है। इसका सीधा अर्थ यही है कि तमाम विरोधाभासों और आलोचनाओं के बाद भी राहुल गांधी की स्वीकार्यता देश में बढ़ रही है। अगर यही ट्रेंड आगे भी रहा तो 2029 के लोकसभा चुनाव में राहुल देश के अगले प्रधानमंत्री होने के मजबूत दावेदार के रूप में देखे जा सकते हैं। हालांकि इसमें कई किन्तु-परंतु भी हैं। पहला तो यह है कि राहुल गांधी को अपनी दुविधाग्रस्त नेता की छवि से पूरी तरह उबरना होगा, दूसरे उन्हें गंभीरता से साथ बड़ी जिम्मेदारी लेनी होगी, जो उनकी नेतृत्व क्षमता की लोक परीक्षा होगी। तीसरे, उन्हें अब पूर्णकालिक राजनेता के रूप में खुद को पेश करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी पर खुलकर हमले करने का साहस दिखाने के बाद भी यह गारंटी से नहीं कहा जा सकता कि जब देश के सत्ता संचालन की धुरी बनने की बात आएगी, तब राहुल पूरी संजीदगी से वैसा करना पसंद करेंगे? या फिर किसी डमी को कुर्सी पर बिठा देंगे? अगर ऐसा हुआ तो तय मानिए कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेसनीत गठबंधन का दिल्ली के तख्त पर काबिज होने का सपना केवल कागजी महत्वाकांक्षा बनकर ही रह जाएगा। अभी कांग्रेस को जो कामयाबी मिली है, उसे सकारात्मक ऊर्जा और दिशा नहीं मिली तो वह आगामी चुनावों में बुलबुले के रूप में फूट भी सकती है।

इसमें दो राय नहीं कि दो भारत जोड़ो यात्राओं, चुनाव में जमीनी मुद्दे उठाने, प्रधानमंत्री मोदी को अहंकारी बताने (जो अब संघ भी कह रहा है), जनता की जगह अपना एजेंडा चलाने जैसी बातों से राहुल की भाजपा विरोधियों में यह छवि तो बनी है कि वो निडरता से अपनी बात कहते हैं, भले ही कुछ लोगों को अभी भी उसमें अपरिपक्वता नजर आती हो। खासकर इस लोकसभा चुनाव में जिस ढंग से उन्होंने देश में संविधान बचाने तथा आरक्षण खत्म न होने देने की अलख जगाई, उसने भाजपा के ओबीसी और दलित वोटों में तगड़ी सेंध लगा दी। खासकर यूपी, महाराष्ट्र व बिहार में इसका सर्वाधिक असर दिखाई दिया। इस मामले में यह चुनाव आशंका को यकीन में बदलने के अभियान का एक अच्छा उदाहरण है। दूसरे, भाजपा को मुगालते में जीना सबसे भारी पड़ा। पार्टी अपने तय ही किए '400 पार के' नारे के गड्ढे में गिर गई। यदि मोदी ने चुनाव में सीटों की जीत का कोई निश्चित आंकड़ा फिक्स किए बगैर सिर्फ इतना ही कहा होता कि हम पिछली बार की तुलना में ज्यादा सीटें जीतेंगे तो शायद भाजपा को 32 सीटों का नुकसान न हुआ होता। लेकिन सत्ता और वो भी निरंतर सत्ता नेताओं को इतनी आत्म मुग्ध बना देती है कि वो खुद जमीन से कटने लगते हैं। भाजपा के चुनावी कैम्पेन में यह साफ नजर आया। पार्टी और सरकार अपनी ही बनाई स्वर्गिक दुनिया में मगन थे। इसका परिणाम यह हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी को वाराणसी सीट जितवाने में भी इस बार यूपी के मुख्यमंत्री योगी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अंतिम दिनों में एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ा।

बतौर पीएम मोदीजी की यह तीसरी पारी है। 2029 आते-आते वो 79 साल के होंगे। तब उनकी मुश्किलें और बढ़ेंगी। युवा पीढ़ी से उनका कनेक्ट आज की तुलना में धीरे धीरे कम होता जाएगा। इसके विपरीत राहुल गांधी अभी युवा हैं। अगले लोकसभा चुनाव तक भी वो साठ के अंदर ही होंगे। बीते एक साल में कांग्रेस के रणनीतिकारों ने राहुल गांधी का कई स्तरों पर मेकओवर करने की कोशिश की है और उसमें उन्हें काफी हद तक सफलता भी मिली है। कांग्रेस का राहुल में और राहुल का अपने आप में विश्वास बढ़ा है। लेकिन असली चुनौती इसके आगे है। पहली चुनौती तो पूरी कांग्रेस का मेकओवर करने की है। बेशक यूपी, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु आदि राज्यों में कांग्रेस ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन यहां कंधे उसके सहयोगी दलों के ज्यादा मजबूत रहे हैं। जहां कांग्रेस का सीधे भाजपा से मुकाबला रहा है, उन राज्यों में कांग्रेस (राजस्थान छोड़ दें) तो ज्यादा कामयाबी हासिल नहीं कर पाई है। इन राज्यों में कांग्रेस भाजपा से मजबूती के साथ दो- दो हाथ कर सके, इसके लिए संगठनात्मक स्तर पर उसे मजबूत और निरंतर सक्रिय करने की नितांत आवश्यकता है। इसके लिए काबिल कार्यकर्ताओं की पहचान और उन्हें काम करने देने की स्वतंत्रता देनी होगी। आत्मघाती गुटबाजी कांग्रेस का महारोग है। इस पर लगाम कैसे लगे, यह भी बड़ा सवाल है। इस चुनाव में कांग्रेस और कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों के परिवारवादी होने के आरोप को जनता ने लगभग खारिज कर दिया है। नतीजों और बाद में मंत्रिमंडल गठन में शामिल नामों से उजागर हुआ कि भाजपा में भी यह रोग उसी शिद्दत से मौजूद है और पनप भी रहा है, भले ही उसे नाम दूसरा दिया जा रहा हो। वह खुद को परिवारवाद का विरोधी बताती है और परिवारवादियों से गलबहियां भी करती है। यह कहना गलत नहीं होगा कि परिवारवाद भारतीय राजनीति का राजरोग है, जिसका स्वरूप बदलता रहेगा, पर रोग कायम रहेगा। ऐसे में जनता अब परिवारवाद की बजाए परफार्मेंस को ज्यादा तवज्जो दे रही है।

अगर राहुल गांधी को भविष्य में देश के नेता के रूप में स्वीकार किया जाना है तो सबसे पहले उन्हें अपनी दुविधाग्रस्त होने की छविं से भी मुक्त होना होगा। कांग्रेस कार्यकारिणी ने राहुल से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने का अनुरोध किया है, जिस पर राहुल ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। इसी तरह जिन दो लोकसभा सीटों से वो इस बार चुनाव जीते हैं, उनमे से कौन सी सीट रखें और कौन सी छोड़ें, इस पर उन्होंने कुछ बेमन से ही, सही निर्णय ले लिया है। दृढ़ निश्चय पर भावुकता को हावी न होने देने का हुनर उन्हें सीखना होगा। भावुकता से संवेदनशील छवि तो बनती है, लेकिन राजनेता को संवेदनशीलता के साथ साथ कुशल और सक्षम प्रशासक के रूप में खुद को सिद्ध करना होता है। इसका अर्थ यह है कि जो भी निर्णय आप लेते हैं, उन्हे क्रियान्वित कराने और नतीजे देने का माद्दा भी आप में होना चाहिए। मोदी में वह क्षमता है, लेकिन सफलता का श्रेय केवल अपने खाते में दर्ज कराने का दुराग्रह उनके नंबर अब कम रहा है। संभव है कि अभी भी राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष अपनी जगह किसी को और को बना दें और कहें कि वो कांग्रेस को मजूबत करने के लिए निर्बंध होकर काम करना चाहते हैं। लेकिन जिम्मेदारियों से बचना किसी नेता को बहुत ज्यादा जनसमर्थन नहीं दिला सकता। अगर मिल भी जाए तो वह कुछ समय के लिए ही होता है। क्योंकि सत्ता संचालन केवल एक नौकरशाहाना कर्मकांड नहीं है, उसके लिए राजनीतिक दांवपेंच रणनीतिक अखाड़ेबाजी के हुनर में निष्णात होना भी जरूरी है। इस लिहाज से यूपीए के दौरान कांग्रेस द्वारा किसी राजनेता के बजाए अर्थशास्त्री और नौकरशाह डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाना सही राजनीतिक फैसला नहीं था। मनमोहन सिंह ने बतौर पीएम अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाई, लेकिन कांग्रेस को सक्रिय और ताकतवर बनाए रखने के लिए जिस राजनीतिक सेनापति की जरूरत थी, उसमे वह पूरी तरह असफल रहे।

इस लोकसभा चुनाव का एक संदेश यह भी है कि देश में अब दो ऐसी राजनीतिक पार्टियां आमने सामने होंगी, जिनकी मौजूदगी पूरे देश में है। अभी तक यह दर्जा (कमजोर होने के बाद भी) कांग्रेस के पास ही था, अब इस श्रेणी में भाजपा भी शामिल हो गई है। यानी अब देश की राजनीति धुर राष्ट्रवादी और मध्यमार्गी विचारधारा के बीच चलेगी। भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां कभी क्षेत्रीय दलों के साथ सहयोग तो कभी उन्हें कुचलकर अपना वजूद कायम रखेंगी। इन्हीं दो प्रमुख दलों की अगुवाई में चलने वाले राजनीतिक गठबंधनों के बीच ही चुनावी मुकाबले होंगे। ऐसे में सहयोगी दल कभी अंकुश तो कभी स्टेपनी की भूमिका अदा करते रहेंगे।

कुछ लोगों का मानना है कि राहुल गांधी अब तक जिस तरीके और रणनीति के साथ काम करते रहे हैं, वो पूर्णकालिक राजनेता के बजाए पोलिटिकल एक्टिविज्म ज्यादा है। राहुल गांधी अगर सचमुच एक गंभीर राजनेता के रूप में खुद को स्थापित करना चाहते हैं तो उन्हें जिम्मेदारियां लेनी होगी और सफलता से मुग्ध होने तथा असफलता आहत होने की मानवीय कमजोरियों को बस में करना होगा। बेशक राहुल के लिए संभावनाएं हैं, लेकिन बहुत सी शर्तों के साथ।

शहर में रिमझिम बारिश के बीच हुई ईद की नमाज

देश-दुनिया में अमन के लिए मांगी दुआ, गले मिल बोले-ईद मुबारक

भोपाल। सोमवार को देशभर में ईद उल-अजहा का त्योहार मनाया गया। भोपाल में प्रमुख मस्जिदों में रिमझिम बारिश के बीच नमाज अदा की गई। नमाज के बाद देश-दुनिया में अमन के लिए दुआ की गई। इसके साथ ही ताजुल मसाजिद में फिलिस्तीन और गाजा में शांति के लिए दुआ की गई। इसके बाद शहर काजी और मस्जिदों के इमामों ने खुतबा (उपदेश) दिए। इस त्योहार को बलिदान का प्रतीक माना जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, जिलहिज्जा महीने में चांद दिखने पर ईद उल-अजहा (बकरीद) की तारीख तय की जाती है। फिर ईद मनाई जाती है। नमाज के बाद घरों में जानवरों की कुर्बानी दी जाती है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष डॉ. औसाफ शाहमीरी खुर्रम ने बताया कि अकीदत का यह त्यौहार 3 दिन तक चलता रहेगा। कुर्बानी के लिए बकरे की खरीद-फरोख्त के लिए शहर में जगह-जगह अस्थाई बाजार सजे रहे। यहां आसपास के गांवों से ग्रामीण बकरे लेकर पहुंचे। इधर, त्योहार की जरूरत के लिए लोगों का रुख बाजारों की तरफ भी बढ़ा है। शहर के इब्राहिमपुरा, चौक बाजार, नदीम रोड, जहांगीराबाद, लक्ष्मी टाकीज आदि में देर रात तक खरीद-फरोख्त का दौर चलता रहा। इससे पहले दाऊदी बोहरा समुदाय ने रविवार को अकीदत का यह त्योहार मनाया। दाउदी बोहरा समुदाय

के कमरुद्दीन दाऊदी ने बताया कि ईद उल अजहा के मौके पर राजधानी की मालीखेड़ा, सैफिया रोड, अलीगंज, सईद कॉलोनी आदि जमातखाना में ईद का विशेष खुतबा हुआ। मजहबी उलेमाओं ने त्योहार को लेकर खास तकरीर की। सुबह फजीर की नमाज के फौरन बाद हुए इस कार्यक्रम के बाद अकीदतमंद लोगों ने एक दूसरे को मुबारकबाद दी। इसके बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। कुर्बानी का यह दौर 3 दिन तक जारी रहेगा।

सप्रे संग्रहालय में ई-लाइब्रेरी की स्थापना

भोपाल। ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में ई-लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। इंटरनेट आधारित इस अध्ययन सुविधा से शोधार्थियों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रतिभागियों को भी लाभ मिलेगा। उपयोगी वेबसाइटों का विद्यार्थी लाभ उठा सकते हैं।

माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संस्थापक-संयोजक विजयदत्त

श्रीधर ने बताया कि नर्मदा चैरिटेबल पब्लिक ट्रस्ट के सहयोग से यह सुविधा सुलभ हुई है। अब सप्रे संग्रहालय में पुस्तकालय सेवा के तीन प्रारूप सक्रिय हो गए हैं। सप्रे संग्रहालय में 25 लाख पृष्ठ दुर्लभ संदर्भ सामग्री डिजिटल स्वरूप में पठन-पाठन के लिए तैयार है। कम्प्यूटर स्क्रीन पर शोध छात्र इसका लाभ उठा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण पाठ सामग्री में भारतीय नवजागरण काल की ऐतिहासिक परिघटनाओं का प्रामाणिक वृत्तांत दर्ज है। अर्थात स्वाधीनता आंदोलन, समाज सुधार आंदोलन, स्वदेशी और स्वावलंबन आंदोलन का अध्ययन करना है, तब उसका विवरण इन्हीं डिजिटल पत्रों में मिलेगा। लोकमान्य तिलक और महात्मा गांधी के साहित्य और पत्रिकाओं का संग्रह शोध-अध्ययन का महत्वपूर्ण आधार है। पुराने गजेटियर और भारतेन्दुकालीन साहित्यकारों और संपादकों की पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ दुर्लभ और अन्यंत्र अप्राप्य हैं। हिन्दी की युग निर्माता पत्रिकाओं-सरस्वती, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, विशाल भारत, माधुरी, मधुकर, मर्यादा, चाँद, सुधा, गृहलक्ष्मी, धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, दिनमान, हंस, विश्वमित्र, प्रभा, श्रीशारदा, गंगा, विज्ञान, विद्यार्थी, भूगोल, हिन्दू, पंच, महारथी, प्रेमा, वाणी, त्यागभूमि, सैनिक, माडर्न रिव्यू, कर्मयोगी, कर्मवीर, इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफइंडिया, ग्वालियर स्टेट गजट, होल्कर स्टेट गजट, मालवा अखबार, अभ्युदय, अलहिलाल इत्यादि ऐसी संदर्भ सामग्री है जो लगभग अप्राप्य स्थिति में है। इनके अलावा दस हजार पत्रों का भी संग्रह है।

सप्रे संग्रहालय भोपाल गैस रिसन त्रासदी से लेकर कोविड महामारी तक तमाम बड़ी घटनाओं के अध्ययन के लिए संदर्भ सामग्री सुलभ कराता है। भारत में जनगणना और आम चुनाव, जनजातीय संस्कृति और समाज तथा हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी, सिंधी आदि भाषाओं का विपुल साहित्य संग्रह सप्रे संग्रहालय को समृद्ध बनाता है। देश-विदेश के शोधकर्ताओं के साथ-साथ रचनाकार और पत्रकार इस संग्रह का लाभ उठा रहे हैं। यह भोपाल का सबसे बड़ा पुस्तकालय है।

प्रदेश में 'स्कूल चलें हम अभियान' की शुरुआत आज से

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आतिथ्य में भोपाल में होगा कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 18 जून को 'स्कूल चलें हम अभियान 2024' का शुभारंभ करेंगे। राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किए जा रहे 'प्रवेशोत्सव' के दौरान सांसद, विधायक एवं अन्य जन प्रतिनिधि भी किसी एक शाला में सहभागिता करेंगे। शाला स्तर पर आयोजित स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम में शाला के पूर्व

प्रातः 10 बजे से आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण वेबकास्ट सहित अन्य संचार माध्यमों से किया जायेगा। आयोजित 'प्रवेशोत्सव' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नवप्रवेशी विद्यार्थियों का शाला में स्वागत करेंगे। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री श्री विजय शाह एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रतापसिंह के साथ ही स्थानीय जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। 18 जून को पूरे प्रदेश की शासकीय शालाओं में विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। इस दौरान ग्राम/ बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाएगा। प्रवेशोत्सव के दिन शालाओं में विशेष भोजन का वितरण किया जाएगा। 19 जून को स्कूल शिक्षा मंत्री का अभिभावकों को संबोधित पत्र और निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण स्कूल चलें हम अभियान के द्वितीय दिवस समस्त विद्यालयों में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इसी दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह जी द्वारा अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। इन बैठकों में अभिभावकों के साथ शालेय गतिविधियों पर चर्चा, जिसमें प्रमुखतः कक्षावार विषयखंड, शैक्षणिक कैलेण्डर, अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया, अभिभावक-शिक्षक बैठक, सह शैक्षणिक गतिविधियों, शाला में उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी प्रदान की जायेगी। निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाएगा। स्कूल चले हम अभियान को जनआंदोलन में परिणित करने की दृष्टि से प्रदेश की समस्त शासकीय शालाओं में जनसमुदाय की सहभागिता में 'भविष्य से भेंट कार्यक्रम' का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध प्रभावशाली, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्ति, स्थानीय विशिष्ट व्यक्ति आदि प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंटकर विद्यार्थियों से अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें बेहतर भविष्य गढ़ने के लिये प्रेरित करेंगे।

टीकमगढ़ में ट्रक की टक्कर से तीन लोगों की मौत

सागर में अज्ञात वाहन की चपेट में दो ने गंवाई जान

भोपाल। टीकमगढ़ जिले से होकर गुजरने वाले टीकमगढ़-सागर मार्ग पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक परिवार के पति-पत्नी और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के शव झाड़ियों में मिले। बता दें कि सोमवार दोपहर टीकमगढ़-सागर मार्ग पर गोगावेर मंदिर के पास एक ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। ऐसे में बाइक पर सवार पति-पत्नी और उनकी बेटी की मौके पर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और डायल हंड्रेड की मदद से तीनों शवों को टीकमगढ़ जिला चिकित्सालय लाया गया। प्रत्यक्षदर्शी राजू ने बताया कि मृतक खुमान कुशवाहा उनकी पत्नी और बेटी तीनों एक साथ बाइक पर बैठकर बमोरी नगदा गाव से टीकमगढ़ आ रहे थे। तभी तेज रफ्तार से जा रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उछलकर तीनों झाड़ियों में जा गिरे और मौके पर उनकी मौत हो गई। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों

को टीकमगढ़ जिला चिकित्सालय लाई है। जहां पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। लोगों का कहना है कि एक्सीडेंट करने के बाद ट्रक चालक मौके से ट्रक को लेकर फरार हो गया है। पुलिस ट्रक की तलाश कर रही है। सागर जिले के खुरई थाना क्षेत्र में एक अनहोनी हो गई, जिसमें दो दोस्त काल के गाल में समा गए तो तीसरा जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रहा है। घटना खुरई के पठारी रोड स्थित वेयर हाउस के पास की है। जहां एक बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाइक पर खुरई के टैगोर वार्ड निवासी रोहित सेन प्रदीप आदिवासी निवासी खानपुर थाना नरयावली, परमानंद अहिरवार विनायठा थाना बांदरी सवार थे, जिसमें रोहित सेन और प्रदीप आदिवासी की घटना स्थल पर ही जान चली गई। जबकि परमानंद आदिवासी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को खुरई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल सागर रेफर कर दिया गया है। हादसे का शिकार हुए तीनों युवक आपस में दोस्त थे और बिना बताए ही घर से निकले थे। प्रदीप आदिवासी के भाई धन सिंह आदिवासी ने बताया कि प्रदीप की एक साल पहले ही शादी हुई थी। प्रदीप उसका छोटा भाई था और दो बहनें हैं। उन्होंने बताया कि प्रदीप करीब दस दिन पहले ही अपने जीजा के यहां विनायठा गांव गया हुआ था। रोहित सेन के परिजनों ने बताया कि रोहित ड्राइवरी का काम करता था। रोहित दो बहनों में एक भाई था।

कुलस्ते बोले-सरकार राज्यमंत्री बनाना चाहती थी, मैंने मना कर दिया

मंडला सांसद ने कहा-भविष्य में स्वतंत्र मंत्रालय को लेकर विचार होगा तो सोचेंगे

भोपाल। मंडला से बीजेपी सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का एक वीडियो सामने आया है। इसमें उन्होंने केंद्रीय कैबिनेट में जगह नहीं मिलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। कुलस्ते ने कहा कि दिल्ली उन्हें राज्यमंत्री बनाना चाहती थी। वे इसके लिए तैयार नहीं थे। वीडियो में कुलस्ते कहते दिखाई दे रहे हैं, तीन बार केंद्रीय राज्यमंत्री रह चुका था। चौथी बार बनाया जा रहा था। मैंने साफतौर पर मना कर दिया। चौथी बार राज्यमंत्री बनता तो क्या करता। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष से बात हुई है। भविष्य में स्वतंत्र मंत्रालय को लेकर कोई विचार होगा तो मेरे बारे में सोचेंगे। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को लेकर कोई बदलाव की स्थिति में क्या आदिवासी को मौका

मिलना चाहिए, इस पर कुलस्ते ने कहा- यह निर्णय पार्टी को लेना है। वीडियो शनिवार का बताया जा रहा है, जो आज सोमवार को वायरल हो रहा है। कुलस्ते लोकसभा चुनाव जीतने के बाद पहली बार अपने निर्वाचन क्षेत्र मंडला के निवास पहुंचे थे। स्थानीय ऑडिटोरियम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें पीएचई मंत्री संपतिया उइके भी मौजूद थीं। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद चलते-चलते उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान ये बयान दिया। भाजपा नेता फग्गन सिंह कुलस्ते ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में मंडला सीट से सातवीं बार जीत दर्ज की है।